भाग 1 -इकाई-2

साझेदारी लेखे सामान्य

मा.शि.मंडल मध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार सत्र 2022-2023 में इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 12 अंक के प्रश्न पूछे जायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है –

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
6	1	–	1	12

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिये–

(I) साझेदारी में कम से कम होने चाहिये -

(अ) तीन व्यक्ति (ब) दो व्यक्ति

(स) सात व्यक्ति (द) दस व्यक्ति

(II) साझेदार बन सकते हैं -

(अ) व्यक्तियों का समुदाय (ब) कोई संस्था

(स) कोई व्यक्ति (द) कर्मचारी संघ

(III) साझेदारी का अनिवार्य अंग है–

(अ) हानि को बाँटना (ब) हानि तथा लाभ दोनों को बाँटना

(स) सम्पत्तियों को बाँटना (द) लाभों को बाँटना

(IV) भारतीय साझेदारी अधिनियम बनाया गया है -

(अ) 1947 में (ब) 1956 में

(स) 1951 में (द) 1932 में

(V) साझेदारी संलेख के अभाव में साझेदारी के लाभों का वितरण साझेदारों में किया जाता है -

(अ) पूँजी के अनुपात में (ब) व्यवसाय संचालन में साझेदारों द्वारा दिये गये समय के अनुपात में

(स) समान अनुपात में (द) साझेदारों की प्रबंन्ध दक्षता के अनुपात में

(VI) यदि साझेदार के आहरण की तिथियाँ नहीं दी गई हो तो आहरण पर ब्याज की गणना की अवधि होती है-

(अ) 6 माह (ब) $5\frac{1}{2}$ माह

(स) $6\frac{1}{2}$ माह (द) 12 माह

(VII) साझेदारों के मध्य लाभ के बँटवारे के लिये बनाया जाता है-

(अ) लाभ-हानि खाता (ब) लाभ-हानि समायोजन खाता

(स) साझेदारों के चालू खाते (द) लाभ-हानि वितरण खाता

(VIII) आहरण पर ब्याज है-

(अ) फर्म की हानि (ब) साझेदारों की आय

(स) फर्म की आय (द) उपर्युक्त में कोई नहीं

(IX) साझेदारी समझौते के अभाव में पूँजी पर ब्याज दिया जाता है-

(अ) 10% वार्षिक (ब) 9% वार्षिक

(स) 6% वार्षिक (द) किसी भी दर से नहीं

(X) साझेदारी संलेख के अभाव में लाभ विभाजन होता है-

(अ) पूँजी के अनुपात में (ब) त्याग अनुपात में

(स) समान अनुपात में (द) आय प्राप्ति अनुपात में

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये –

(I) साझेदारी उन व्यक्तियों के बीच एक .....है, जिन्होनें किसी व्यवसाय के लाभों को बाँटने का ठहराव किया है।

(II) परिवर्तनशील पूँजी पद्धति में साझेदारों के.....खाते नहीं बनाये जाते हैं।

(III) साझेदारी के लिए..... का विभाजन अनिवार्य नहीं है।

(IV) साझेदार द्वारा लाई गई अतिरिक्त पूँजी पर ब्याज..... की दर से देय होता है ।

(V) साझेदारी व्यवसाय में भारतीय साझेदारी अधिनियम .....लागू होता है।

(VI) स्थायी पूँजी खाते की दशा में साझेदारों के वेतन, कमीशन आहरण आदि का लेखा ..... में किया जाता है।

(VII) परिवर्तनशील पूँजी पद्धति में पूंजी का अंतिम शेष प्रतिवर्ष ..... रहता है।

(VIII) साझेदारों के मध्य लाभ के विभाजन के लिए ..... खाता बनाया जाता है।

(IX) साझेदारी का जन्म ..... से होता है।

(X) साझेदारी व्यवसाय में साझेदारों का दयित्व ..... होता है।

प्रश्न 3. सही जोड़ियाँ बनाइये –

	'अ'	'ब'
(I)	साझेदारी संलेख के अभाव में	(अ) केवल व्यक्ति की
(II)	साझेदार बन सकते है	(ब) अनिवार्य

(III)	प्रत्येक साझेदार में	(स) फर्म को लाभ हुआ हो
(IV)	साझेदारी में लाभों का बाँटना	(द) संयुक्त तथा पृथक-पृथक दोनों प्रकार का होता है
(V)	स्थिर पूँजी की दशा में साझेदारों के चालू खाते में लेखा किया जाता है	(ई) एजेन्ट होता है
(VI)	पूंजी पर ब्याज तभी दिया जाता है जब	(फ) परिवर्तनशील पूंजी पद्धति में बनाये जाते है
(VII)	प्रत्येक साझेदार का दायित्व	(ज) साझेदारों के वेतन, बोनस, कमीशन, लाभ, ब्याज, आहरण आदि का
(VIII)	प्रत्येक साझेदार फर्म का	(ण) अनुबंध करने की क्षमता होना अनिवार्य है
(IX)	साझेदारों के चालू खाते	(त) भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932 के प्रावधान लागू होते हैं

प्रश्न 4. सत्य / असत्य छांटिए-

(I) व्यक्तियों के समुदाय, संस्था या संघ साझेदार बन सकते हैं।
(II) साझेदारी में पूँजी लगाना अनिवार्य शर्त होती है।
(III) प्रत्येक साझेदार में अनुबंध करने की क्षमता होनी चाहिये।
(IV) अवयस्क को फर्म के लाभों में शामिल किया जा सकता है।
(V) साझेदारी संलेख के अभाव में भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 के प्रावधान लागू होते हैं।
(VI) साझेदारी व्यवसाय का संचालन सभी साझेदार कर सकते है।
(VII) लाभों को बाँटना साझेदारी में अनिवार्य नहीं है।
(VIII) परिवर्तनशील पूँजी पद्धति में चालू खाते नहीं बनाये जाते हैं।
(IX) लाभ-हानि नियोजन खाता साझेदारों की लाभ-हानि की अन्तिम राशि का हिसाब रखने के लिये बनाया जाता है।
(X) साझेदारों के आहरण पर ब्याज का लेखा रोकड़ खातें में किया जाता है।

प्रश्न 5. एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(I) परिवर्तनशील पूँजी पद्धति की दशा में साझेदारों से संबंधित सभी व्यवहारों का लेखा किस खातें में किया जाता है?
(II) साझेदारी संलेख की अनुपस्थिति में किस अधिनियम के प्रावधान लागू होते हैं ?
(III) साझेदारों के चालू खाते कब बनाये जाते हैं?
(IV) फर्म द्वारा साझेदारों की पूँजी पर ब्याज कब दिया जा सकता है?
(V) फर्म में कौन साझेदार हो सकता है ?
(VI) फर्म के व्यवसाय के संचालन में कौन भाग ले सकता है ?
(VII) क्या बिना पूँजी लगाये भी कोई व्यक्ति फर्म में साझेदार बन सकता हैं ?
(VIII) A ने B को गारण्टी दी है कि उसे न्यूनतम ₹ 25,000 का लाभ प्राप्त होगा, इसे क्या कहते हैं?
(IX) xतथा y बिना समझौते के साझेदार हैं, y द्वारा फर्म को ₹18000 का ऋण दिया जाता है। y को किस दर से ऋण पर ब्याज प्राप्त होगा।
(X) वे व्यक्ति जो एक-दूसरे के साथ साझेदारी में सम्मिलित हुए हैं, सामूहिक रूप से क्या कहलाते हैं ?

अति लघुउत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 30) प्रत्येक प्रश्न 2 अंक

1. साझेदारी अधिनियम, 1932 के अनुसार साझेदारी की परिभाषा दीजिये।
2. फर्म से क्या आशय है?
3. साझेदारी संलेख से क्या आशय है?
4. विभाजन योग्य लाभ का आशय बताइए।
5. परिवर्तनशील पूँजी और स्थायी पूँजी का अर्थ समझाइए।
6. लाभ-हानि वितरण (नियोजन) खाता क्या है? संक्षेप में बताइए।
7. लाभ की गारण्टी से क्या आशय है ?
8. आहरण पर ब्याज की गणना की विधियों को समझाइए।
9. यदि कोई साझेदार प्रत्येक माह के प्रथम दिन ₹1500 वर्ष भर आहरित करता है तो 10% वार्षिक दर से वर्ष का आहरण पर ब्याज ज्ञात कीजिए।
10. यदि कोई साझेदार प्रत्येक माह के अंतिम दिन ₹1000 वर्ष भर आहरित करता है तो 10% वार्षिक दर से वर्ष का आहरण पर ब्याज ज्ञात कीजिए।
11. एक साझेदार ने ₹1000 प्रति माह के मध्य में वर्ष भर आहरित किए। 12% वार्षिक दर से आहरण पर ब्याज ज्ञात कीजिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 120) प्रत्येक प्रश्न 4 अंक

1. लाभ-हानि नियोजन खाता बनाने के क्या उद्देश्य हैं ?
2. साझेदारी की विशेषताओं को समझाइए ।
3. साझेदारी संलेख में उल्लखित बिन्दुओं को समझाइए ।
4. साझेदारी संलेख के अभाव में लागू होने वाले नियमों को समझाइए।
5. साझेदार के अधिकार समझाइए ।
6. परिवर्तनशील पूँजी और स्थायी पूँजी में अंतर समझाइए ।
7. A और ब एक फर्म में साझेदार है, जिनकी पूंजी क्रमांकः ₹5,00,000 और ₹ 8,00,000 हैं। इनके बीच साझेदारी समझौता नहीं हुआ है। 31मार्च 2018 को समाप्त होने वाले वर्ष में ₹1,80,000 का लाभ हुआ B पूँजी पर 5% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज हेतु दावा करता है, जबकि A इसके पक्ष में नहीं हैं लाभ-हानि वितरण खाता बनाकर साझेदारों के मध्य लाभ का विभाजन कीजिए।
8. अर्चना और अंकिता एक फर्म में साझेदार है, जिनकी पूंजी क्रमशः ₹5,00,000 और ₹7,00,000 हैं। साझेदारी समझौते में 5% वार्षिक की दर से विनियोजन के रूप में पूंजी पर ब्याज देने का प्रावधान है। 31 मार्च 2018 को समाप्त होने वाले वर्ष में फर्म को ₹30,000 की हानि हुई। लाभ-हानि विभाजन अनुपात 2:3 है। हानि के विभाजन के लिए आवश्यक खाता दर्शाइए ।
9. A,B और C एक फर्म में साझेदार हैं उनकी पूंजी 1 जनवरी 2018 को क्रमाशः ₹80,000 , ₹40,000 और ₹20,000 थी। A को ₹25000 वेतन दिया गया। पूंजी पर ब्याज की दर 10% प्रतिवर्ष है। ब्याज देने के बाद लाभ का विभाजन निम्नांकित रूप में किया जाता है-
   प्रथम ₹50,000, 3:3:4 के अनुपात में, अगले ₹40,000, 4:4:2 के अनुपात में, शेष लाभ 6:3:1 के अनुपात में 2018 वर्ष में ब्याज देने के पूर्व परन्तु काटने के बाद फर्म का लाभ ₹1,99,000 था। लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइए।
10. x और y क्रमशः 3:2 के अनुपात में साझेदार हैं जिनकी पूंजी क्रमशः ₹50,000 तथा ₹30,000 रू. है। पूंजी पर ब्याज 6 प्रतिशत वार्षिक की दर से देय है। y को ₹2,500 वार्षिक वेतन देय है। वर्ष 2017 में y का वेतन देने के पूर्व ₹12,500 का लाभ था। मैनेजर के कमीशन हेतु लाभ का 5% आयोजन करना है। साझेदारों में लाभ का वितरण दर्शाइए तथा उनके पूंजी खाते बनाइए।

11. x और y एक फर्म में साझेदार हैं। 31 मार्च2018 को समाप्त होने वाले वर्ष में उन्होंने ₹1,60,000 लाभ अर्जित किया। साझेदारी समझौते के अनुसार फर्म के लाभ पर विभाजन निम्नानुसार किया जाएगा-
पूंजी पर 6% वार्षिक से ब्याज दिया जाएगा। x की पूंजी पर ब्याज ₹8000 और y की पूंजी पर ब्याज ₹7500 हैं। x को ₹12000 वार्षिक वेतन दिया जाएगा। आहरण पर 5% वार्षिक ब्याज लगाया जाएगा। आहरण पर ब्याज x-₹1200 तथा y -₹2000 है। साझेदारों के बीच लाभ-हानि का विभाजन 3:2 में किया जाएगा।

12. राजेश, सुनील और तरूण साझेदार हैं, जो क्रमशः $\frac{1}{2}:\frac{1}{4}:\frac{1}{4}$ में लाभ बांटते है। उनकी पूंजी क्रमशः ₹1,20,000 , ₹80,000 और ₹60,000 है। साझेदारों को पूंजी पर 5% ब्याज दिया जाता है और आहरण पर 5% ब्याज लिया जाता है तरूण 30,000 रूपये वार्षिक वेतन पाने का अधिकारी है और सुनील कुल ब्रिकी पर 1% कमीशन पाता है। वर्ष 2018 में सार्थ का त्याग, उपरोक्त समायोजनाओं के पूर्व ₹1,15,000 था और कुल विक्रय ₹14,00,000 था। उनके आहरण क्रमशः ₹40,000, ₹56,000 और ₹60,000 थे। जिन पर क्रमशः ₹800, ₹1000 और ₹1200 ब्याज हुआ। लाभ-हानि वितरण खाता बनाइए।

13. सलोनी, सम्रद्धि और सौम्या एक फर्म मे साझेदार हैं, जो लाभ-हानि 4:3:2 के अनुपात में बांटते है। सम्रद्धि को ₹3,000 मासिक वेतन दिया जाता है और सौम्या कुल बिक्री पर जो ₹18,00,000 है, 3% की दर से कमीशन पाता है फर्म ने वर्ष 2018 में बिक्री पर 15% लाभ अर्जित किया है। साझेदारों में लाभ विभाजन के लिए पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

14. 1 जनवरी 2018 को 'अ' और 'ब' क्रमशः ₹1,00,000 और ₹1,20,000 की पूंजी लगाकर साझेदार है। उसी दिन 'अ' ने फर्म को ₹45,000 का ऋण दिया है। उस वर्ष का लाभ ₹45,000 है। साझेदारी समझौते के अभाव में लाभ साझेदारों में लाभ का विभाजन किस प्रकार करेंगे? लाभ-हानि वितरण खाता बनाइए।

15. महेश और रमेश 5:3 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हुए एक फर्म में साझेदार हैं । उनकी पूंजी क्रमशः ₹3,00,000 एवं ₹2,00,000 थी। साझेदारी संलेख में व्यवस्था है कि-

(अ) पूंजी पर ब्याज 12% वार्षिक की से मिलना चाहिए। (ब) रमेश को शुद्ध लाभ का 5% कमीशन मिलना चाहिए। वर्ष का लाभ ₹1,23,000 था। लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइए।

16. राम और कृष्ण एक फर्म में 3:2 के अनुपात में लाभालाभ विभाजित करने वाले साझेदार हैं। उन्होंने अपने मुनीम शिव को जो ₹500 मासिक वेतन पाता है, इस शर्त पर साझेदार बनाया कि उसे लाभ में $\frac{1}{10}$ भाग दिया जाएगा, किन्तु किसी भी वर्ष लाभ की राशि उसके वेतन से कम नहीं होगी। प्रथम वर्ष में फर्म को ₹50,000 का लाभ हुआ। साझेदारों में लाभ का विभाजन दर्शाइए।

17. A, B और C साझेदार हैं। उनकी पूंजी 1 जनवरी 2018 को क्रमशः ₹40,000 , ₹32,000 तथा ₹20,000 है। B को ₹750 मासिक वेतन दिया जाएगा। पूंजी पर 6% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज देय है। लाभ में से वेतन तथा ब्याज काटने के बाद शेष लाभ निम्न प्रकार से बाँटा जाएगा-

(1) प्रथम ₹20,000, 9:8:3 के अनुपात में। (2) अगले ₹10,000 , 4:3:3 के अनुपात में।

(3) शेष लाभ 2:1:1 के अनुपात में।

उपयुक्त समायोजन के पूर्व फर्म का लाभ ₹46,920 था। लाभ हानि वितरण खाता और साझेदारों के मध्य लाभ-विभाजन दर्शाने वाला विवरण बनाइए।

18. अजित, अमित और अदिल एक फर्म में 5:3:2 में लाभ विभाजित करने वाले साझेदार हैं। अजित और अदिल को व्यक्तिगत रूप से गारण्टी दी है कि उसका लाभ पूंजी पर 10% वर्षिक ब्याज लगाने के पश्चात ₹22,500 से कम नहीं होगा। साझेदारों की पूंजी क्रमशः ₹1,20,000,₹75,000 एवं ₹60,000 थी। वर्ष 2018 में लाभ पूंजी पर ब्याज काटने के पूर्व ₹1,19,250 था। लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइए।

19. आर्य और समर्थ 5:3 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हुए एक फर्म में साझेदार है। उनकी पूंजी क्रमशः ₹3,00,000 एवं ₹2,00,000 थी। साझेदारी संलेख में व्यवस्था है कि -

(अ) पूंजी पर 12% वार्षिक की दर से ब्याज मिलना चाहिए।

(ब) समर्थ को शुद्ध लाभ पर 5% कमीशन मिलना चाहिए। वर्ष का शुद्ध लाभ ₹1,23,000 था। लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइए।

---****---

भाग -1 इकाई- 3

साझेदारी फर्म का पुनर्गठन–साझेदार का प्रवेश

मा.शि.मंडल मध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार सत्र 2022-2023 में इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 12 अंक के प्रश्न पूछे जायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है –

A- साझेदारी फर्म का पुनर्गठन

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
3	.	1	.	6

B - साझेदार का प्रवेश

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
3	.	1	.	6

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिये-

(I) ख्याति है-

(अ) एक चल सम्पत्ति (ब) एक स्थाई सम्पत्ति

(स) एक मूर्त सम्पत्ति (द) एक कृत्रिम सम्पत्ति

(II) फर्म के पुनर्गठन पर जिस साझेदार के लाभ का भाग पूर्व की तुलना में बढ़ जाता है उसे कहते हैं-

(अ) प्रभावपूर्ण साझेदार (ब) नफे वाला साझेदार

(स) त्याग करने वाला साझेदार (द) मुख्य साझेदार

(III) पुनर्मूल्यांकन खाते की हानि लिखी जाती है-

(अ) चालू खाते के क्रेडिट पक्ष में (ब) पूंजी खाता के क्रेडिट पक्ष में

(स) पूंजी खाते के डेबिट पक्ष में (द) रोकड़ खाते के डेबिट पक्ष में

(IV) पुनर्मूल्यांकन का लाभ/हानि बांटा जाता है–

(अ) नए लाभ हानि अनुपात में (ब) प्राप्ति अनुपात में

(स) पुराने लाभ हानि अनुपात में (द) त्याग अनुपात में

(V) नये साझेदार द्वारा ख्याति का भुगतान किया जाता है–

(अ) भावी लाभ में हिस्सा पाने के लिए (ब) पूंजी के भुगतान के लिए

(स) प्रवेश शुल्क भुगतान के लिए (द) सम्पत्तियों पर अधिकार के लिए

(VI) वास्तविक औसत लाभ का सामान्य लाभ पर आधिक्य है–

(अ) सामान्य लाभ (ब) असामान्य लाभ

(स) अधिलाभ (द) सम्भावित लाभ

(VII) जब ख्याति की राशि नगद नहीं लाई जाती है, तो इसे डेबिट किया जाएगा–

(अ) पुराने साझेदार के पूंजी खाते में (ब) नये साझेदार के पूंजी खाते में

(स) सभी साझेदारों के पूंजी खाते में (द) फर्म के रोकड़ खाते में

(VIII) साझेदारों के लाभानुपात में परिवर्तन पर संचितियों का विभाजन होता है–

(अ) पूर्व अनुपात में (ब) समान अनुपात में

(स) नये अनुपात में (द) पूंजी अनुपात में

(IX) विद्यमान साझेदारों के लाभानुपात में परिवर्तन का परिणाम है–

(अ) सभी साझेदारों के लाभानुपात में कमी (ब) सभी साझेदारों के लाभानुपात में वृद्धि

(स) त्यागी साझेदार के लाभानुपात में कमी (द) त्यागी साझेदार के लाभानुपात में वृद्धि

(X) पुनर्मूल्यांकन खाता बनाया जाता है–

(अ) व्यवसाय बंद होने पर (ब) नए साझेदार के प्रवेश पर

(स) फर्म में लाभ होने पर (द) फर्म में हानि होने पर

(XI) अवितरित लाभों वह संचयों को हस्तांतरित किया जाता है–

(अ) रोकड़ खाते में (ब) बैंक खाते में

(स) पूंजी खाते में (द) लाभ/हानि खाते में

(XII) साझेदार के प्रवेश पर पुनर्मूल्यांकन से हुए लाभ को अंतरित किया जाता है-

(अ) लाभ हानि खाते में (ब) सभी साझेदारों के पूंजी खाते में

(स) नए साझेदार के पूंजी खाते में (द) पुराने साझेदारों के पूंजी खाते में

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये –

(I) ख्याति व्यापार की _____ सम्पत्ति है।
(II) ख्याति लाभ कमाने में _____ होती है।
(III) ख्याति पर _____ नहीं लगाया जाता है।
(IV) ख्याति का वास्तविक मूल्य व्यवसाय के _____ के समय ही ज्ञात हो सकता है।
(V) औसत लाभ – सामान्य लाभ = _____लाभ ।
(VI) सामान्य लाभ की गणना___पूंजी पर की जाती है।
(VII) साझेदारी ठहराव में परिवर्तन साझेदारी फर्म का _____कहलाता है।
(VIII)_____ = पुराना अनुपात – नया अनुपात ।
(IX) नया अनुपात – पुराना अनुपात = _____ ।
(X) पुनर्मूल्यांकन पर होने वाले लाभ/हानि से_____साझेदार का कोई संबंध नहीं होता है।
(XI) दायित्व में कमी फर्म का _____ होता है।
(XII) त्याग अनुपात_____के बराबर होता है।

प्रश्न 3. सही जोड़ियाँ बनाइये –

A

'अ'	**'ब'**
(I) ख्याति एक	(अ) पूंजी खाते के डेबिट पक्ष में
(II) पुनर्मूल्यांकन की हानि	(ब) लेखांकन प्रमाप- 26
(III) फर्म का पुनर्गठन	(स) पूंजी खाते के क्रेडिट पक्ष में
(IV) ख्याति का लेखांकन	(द) विक्रय योग सम्पत्ति है
(V) पुनर्मूल्यांकन पर लाभ	(ई) अमूर्त सम्पत्ति है
(VI) ख्याति एक	(फ) साझेदारी ठहराव में परिवर्तन

B

'अ'	**'ब'**
(I) त्याग अनुपात बराबर	(अ) पुनर्मूल्यांकन खाता डेबिट
(II) सामान्य लाभ	(ब) नए साझेदार के प्रवेश पर
(III) संपत्ति के मूल्य में वृद्धि	(स) ख्याति का मूल्यांकन
(IV) दायित्व के मूल्य में वृद्धि	(द) लाभ प्राप्ति अनुपात
(V) पुनर्मूल्यांकन खाता	(ई) विनियोजित पूंजी पर
(VI) औसत लाभ	(फ) पुनर्मूल्यांकन खाता क्रेडिट

प्रश्न 4. सत्य / असत्य छांटिए-

(I) ख्याति को प्रत्येक दशा में पुस्तकों में दर्शाया जाना चाहिए।
(II) ख्याति पर ह्रास नहीं लगाया जाता है।
(III) त्याग के अनुपात की दशा में साझेदार को पूर्व की तुलना में लाभ होता है।
(IV) एक अच्छी फर्म ख्याति को अपलिखित कर देती है।
(V) लाभार्जन में परिवर्तन का ख्याति के मूल्य पर प्रभाव नहीं पड़ता है।
(VI) पुनर्गठन की दशा में विद्यमान ठहराव में परिवर्तन हो जाता है।
(VII) पुनर्मूल्यांकन खाता सम्पत्ति के विक्रय पर बनाया जाता है।
(VIII) पुनर्मूल्यांकन खाता एक वास्तविक खाता है।
(IX) नये साझेदार का प्रवेश फर्म के पुनर्गठन को प्रभावित करेगा।
(X) साझेदारों के सहमत होने पर ख्याति का मूल्यांकन किया जाता है।
(XI) त्याग अनुपात लाभ प्राप्ति अनुपात से अधिक होता है।
(XII) लाभ में हिस्सा पाना नए साझेदार का प्रमुख अधिकार है।

प्रश्न 5. एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(i) जब पुराना अनुपात नये अनुपात की तुलना में अधिक हो तो उसे क्या कहते हैं?
(ii) जब ख्याति की राशि नगद लाई जाती है तो उसे किस खाते में जमा(क्रेडिट) करते हैं।
(iii) लेखांकन प्रमाप-26 किस से संबंधित है?
(iv) ख्याति मूल्यवान सम्पत्ति कब कही जाती है?
(v) ख्याति के मूल्यांकन का आधार क्या है?
(vi) कौन सी ख्याति का लेखा पुस्तकों में नहीं किया जाता?
(vii) वास्तविक औसत लाभ का सामान्य लाभ पर आधिक्य क्या कहलाता है?
(viii) जिस सम्पत्ति को देखा या स्पर्श नहीं किया जा सकता उसे क्या कहते हैं?
(ix) फर्म की सम्पत्तियों एवं दायित्वों के मूल्य में परिवर्तन का लेखा किस खाते में किया जाता है।
(x) पुनर्मूल्यांकन खाता किस प्रकृति का खाता है?
(xi) त्याग अनुपात की गणना क्यों आवश्यक है?
(xii) दायित्व का मूल्य कम होने पर इसे पुनर्मूल्यांकन खाते के किस पक्ष में लिखा जाएगा।

लघुउत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 75) प्रत्येक प्रश्न 3 अंक

1. नए साझेदार के प्रमुख अधिकारों को समझाइए।
2. साझेदारों के लाभानुपात में परिवर्तन का क्या अर्थ है?
3. ख्याति के मूल्यांकन की आवश्यकता क्यों है? समझाइए।
4. नए साझेदार की वैधानिक स्थिति को समझाइए।
5. एक फर्म का औसत शुद्ध लाभ ₹60000 है। औसत लाभ के तीन वर्षों के क्रय के आधार पर ख्याति का मूल्य क्या होगा?
6. रानू ,भानू और शानू समान अनुपात में साझेदार हैं। वे भविष्य में लाभ/हानि 3 : 2 : 1 के अनुपात में बांटने का निर्णय करते हैं। लाभ प्राप्ति और त्याग अनुपात की गणना कीजिए।
7. ख्याति की विशेषताएं लिखिए।

8. ख्याति की प्रकृति को समझाइए।
9. सामान्य लाभ और अधिलाभ में अंतर लिखिए।
10. त्याग अनुपात और लाभ अनुपात में अन्तर बताइए।
11. पुनर्मूल्यांकन हेतु की जाने वाली आवश्यक नकल प्रविष्टियां कीजिए।
12. ख्याति उत्पन्न होने के कारण लिखिए। / ख्याति को प्रभावित करने वाले तत्व लिखिए।
13. ख्याति मूल्यांकन की विधियों को समझाइए।
14. औसत लाभ और अधिलाभ में अंतर लिखिए।
15. साझेदारी फर्म का पुनर्गठन किन दशाओं में होता है? समझाइए।
16. त्याग अनुपात और लाभ प्राप्ति अनुपात में अंतर लिखिए।
17. साझेदारी फर्म में ख्याति के मूल्यांकन की आवश्यकता को समझाइए। / किन दशाओं में ख्याति का मूल्यांकन किया जाता है।
18. लेखांकन प्रमाप 26 के अनुसार ख्याति के लेखांकन की विधि का वर्णन कीजिए।
19. साझेदारी फर्म में नए साझेदार की आवश्यकता किन दशाओं में होती है? समझाइए ।
20. अभिषेक और अभिनव एक फर्म में बराबर के साझेदार हैं। उन्होंने अरविंद को 1/3 भाग के लिए साझेदार बनाया, जो पूंजी के ₹40000 देता है किन्तु अपने हिस्से की ₹12000 ख्याति लाने में असमर्थ है। अरविंद के प्रवेश पर आवश्यक नकल प्रविष्टियां कीजिए।
21. अ और ब 3 :1 के अनुपात में लाभ-हानि बांटते हैं। वे 'स' को 1/4 भाग के लिए साझेदारी में प्रवेश देते हैं। उनके लाभ/हानि विभाजन का नया अनुपात ज्ञात कीजिए।
22. अजय तथा विजय 3 : 2 के अनुपात में लाभ बांटते हैं। उन्होंने संजय को 1/5 भाग का साझेदार बनाया, जो अपना हिस्सा अजय तथा विजय से बराबर प्राप्त करता है। नया अनुपात ज्ञात कीजिए।
23. सचिन और विराट 2:1 के अनुपात में साझेदार हैं। उनकी पूंजी क्रमश: ₹40000 एवं ₹20000 है उन्होंने 1 जनवरी 2021 को धोनी को 1/4 भाग के लिए साझेदार बनाया जिसे वह सचिन और विराट से 3:2 के अनुपात में प्राप्त करता है। धोनी ₹30000 पूंजी तथा ₹15000 ख्याति के लिए लाता है। आवश्यक नकल प्रविष्टियां कीजिए।
24. मोनू और सोनू 2:1 के अनुपात में साझेदार हैं। फर्म की सम्पत्ति और दायित्व हैं-देनदार ₹2000, स्कंध ₹5000, भवन ₹8000 और लेनदार ₹8000। टीनू के प्रवेश पर निश्चित हुआ कि भवन के मूल्य में ₹1100 की वृद्धि की जाए देनदारों पर 3% डूबत ऋण संचिति की जाए लेनदारों पर 2% कटौती का प्रावधान किया जाए। स्कंध का मूल्य ₹5800 आंका गया। पुनर्मूल्यांकन खाता बनाइए।
25. लव और कुश एक फर्म में साझेदार हैं जो लाभ/हानि को 3:2 के अनुपात में बांटते हैं वे भविष्य में लाभ/हानि को समान अनुपात में बांटने का निश्चय करते हैं इस उद्देश्य हेतु ख्याति का मूल्यांकन ₹1,20,000 किया गया। उपरोक्त व्यवस्था के लिए आवश्यक नकल प्रविष्टि कीजिए।
26. अमर अकबर और एंथोनी एक फर्म में साझेदार हैं जो लाभ/हानि को 4:3:1 के अनुपात में बांटते हैं। 1 अप्रैल 2021 को उन्होंने लाभ हानि को 5:4:3 के अनुपात में बांटने का निर्णय लिया उस स्थिति को लाभ हानि खाते में ₹120000 व सामान्य संचय खाते में ₹60000 का शेष था । संचय एवं लाभ- हानि खाते को बन्द करने के बजाय समायोजन प्रविष्टि करने का निश्चय किया गया । आवश्यक नकल प्रविष्टि कीजिए।
27. अरुण और वरुण साझेदार है जिनकी पूंजी क्रमशः ₹8000 और ₹4000 है। वे तरुण को इस शर्त पर साझेदार बनाते हैं कि वो अपने भाग की ख्याति की प्रीमियम ₹1500 और अपने हिस्से की

यथेष्ट पूंजी नकद देगा जो समस्त साझेदारों की संयुक्त पूंजी की 1/3 होगी। तरुण की पूंजी ज्ञात कीजिए।

28. एक फर्म का औसत लाभ ₹66000 है और पूंजीकरण की दर 12% है। फर्म की विविध सम्पत्तियां और दायित्व क्रमशः ₹750000 व ₹350000 हैं। ख्याति की गणना कीजिए।
29. एक फर्म की पूंजी ₹600000 है, फर्म का औसत लाभ ₹60000 है ऐसे व्यापार पर 7.5% आय अपेक्षित है। अधिलाभ के पूंजीकरण मूल्य के आधार पर ख्याति का मूल्य ज्ञात कीजिए।
30. बसंत और विष्णु का निम्नलिखित चिट्ठा है-

दायित्व	राशि ₹ में	सम्पत्ति	राशि ₹ में
पूंजी–		भवन	25000
बसंत 12000		उपस्कर	4000
विष्णु 13000	25000	देनदार	12000
लेनदार	21000	बैंक शेष	15000
देय विपत्र	15000	रोकड़	5000
	61000		61000

निम्न शर्तों पर उन्होंने विवेक को साझेदारी में प्रवेश दिया

(i) विवेक 1/4 भाग के लिए ₹15000 पूंजी के लाएगा

(ii) ख्याति का मूल्यांकन ₹14000 किया गया

(iii) देनदार पर 5% संचिति का निर्माण किया जाएगा

(iv) भवन एवं उपस्कर पर 5% ह्रास काटा जाएगा

पुनर्मूल्यांकन खाता एवं साझेदारों का पूंजी खाता बनाइए।

___**___**

भाग 1 – इकाई-4

साझेदार की निवृत्ति एवं मृत्यु

मा.शि.मंडल मध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार सत्र 2022-2023 में इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 8 अंक के प्रश्न पूछे जायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है –

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
2	1	-	1	8

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिये–

(I) नये अनुपात में से पुराना अनुपात घटाने पर प्राप्त अनुपात कहलाता है–

(अ) त्याग अनुपात (ब) समान अनुपात

(स) लाभ का अनुपात (स) हानि अनुपात

(II) मृत साझेदार के उत्तराधिकारी को देय राशि का भुगतान न करने पर कितनी वार्षिक दर से ब्याज देना पड़ता है-

(अ) 10 प्रतिशत (ब) 6 प्रतिशत

(स) 5 प्रतिशत (द) 8 प्रतिशत

(III) साझेदार की निवृत्ति के कारण है–

(अ) साझेदार की वृद्धावस्था (ब) साझेदार का दिवालिया हो जाना

(स) परस्पर मतभेद हो जाना (द) उपरोक्त सभी

(IV) आन्तरिक कोष इनमें से नहीं है-

(अ) सामान्य संचय (ब) पूँजी संचय

(स) कर्मचारी दुर्घटना कोष (द) कर्मचारियों का बचत खाता

(V) अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को पाने का अधिकार होता है-

(अ) ख्याती का भाग का भाग (ब) अविभाजित लाभ में हिस्सा

(स) पूँजी पर ब्याज (द) उपरोक्त सभी

(VI) अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को उसकी देय राशि के भुगतान की विधि है–

(अ) एक (ब) दो

(स) तीन (द) चार

(VII) मृत साझेदार के उत्तराधिकारी को देय राशि का भुगतान कौन सी विधि द्वारा नहीं किया जा सकता है–

(अ) एक मुश्त (ब) किश्तो में

(स) वार्षिक वृत्ति (द) देय राशि के विपत्र स्वीकार करना

(VIII) मृत साझेदार के पूंजी खाते में नाम नहीं की जाती है–

(अ) आहरण की राशि (ब) चालू खाते का नाम शेष

(स) आहरण पर ब्याज की राशि (द) संचय का भाग

(IX) संचय की सम्पूर्ण राशि को वितरित करने पर-

(अ) संचय खाते को Dr. (ब) संचय खाते को Cr.

(स) साझेदारो के पूँजी खाते को Dr. (द) उपरोक्त कोई नहीं

(X) विद्यमान ख्याति को अपलिखित करना है-

(अ) समस्त साझेदारों के पूँजी खाते नामे (ब) समस्त साझेदारों के पूँजी खाते को जमा

(स) ख्याति को नामे (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(XI) देय राशि का किश्तों में भुगतान पर कौन सा खाता खोला जाता -

(अ) साझेदार का ऋण खाता (ब) साझेदार का पूँजी खाता

(स) साझेदार का पूँजी खाता (द) उपरोक्त सभी

(XII) मृत साझेदार को उत्तराधिकारी को देय राशि प्राप्त होती है-

(अ) मृत साझेदार की पूँजी (ब) उसके हिस्से की ख्याति

(स) उसके चालू खाते का जमा शेष (द) उपरोक्त सभी

(XIII) अविभाजित लाभ का विभाजन करते समय कौन सा खाता नाम किया जाता है

(अ) लाभ हानि खातों के नाम (ब) समस्त साझेदारों के पूँजी खाते नाम

(स) समस्त साझेदारों के चालू खाते नाम (द) उपरोक्त सभी

(XIV) अविभाजनीय कोष कौन सा होता है-

(अ) मूल्य ह्रास कोष (ब) पूँजी संचय कोष

(स) बीमा कोष (द) उच्चावचन कोष

(XV) अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को देय राशि का निर्धारण करने के लिए उसे प्राप्त होने वाली राशियाँ कौन से खाते में जमा की जाती है-

(अ) पूँजी खाते में (ब) चालू खाते में

(स) लाभ हानि खाते में (द) उपरोक्त से कोई नहीं

(XVI) समझौते के अनुसार अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को उसके ऋण पर ब्याज देने के स्थान पर लाभ का कुछ अंश दिया जाता है ऐस दशा में-

(अ) ब्याज की प्रविष्टि की जाती है (ब) ब्याज की प्रविष्टि नहीं की जाती है

(स) लाभांश की प्रविष्टि की जाती है (द) उपरोक्त से कोई नहीं

(XVII) अवकाश ग्रहण साझेदार को वार्षिक द्वारा भुगतान करने पर कौन सा खाता खोला जाता है-

(अ) वार्षिक उचंत खाता (ब) पूँजी खाता

(स) चालू खाता (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(XVIII) समपर्ण मूल्य किसका हिस्सा होता है-

(अ) बीमित मूल्य का होता है (ब) बीमित मूल्य का हिस्सा नहीं होता है

(स) (अ) एवं (ब) (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(XIX) A,B और C 4:3:1 के साझेदार है । B ने ₹8,100 में अपना भाग A और B को ₹3,600 और ₹4,500 में बेचकर अवकाश ग्रहण किया A और C का लाभ प्राप्ति का अनुपात होगा-

(अ) 5 : 4 (ब) 6 : 3

(स) 4 : 5 (द) 3 : 6

(XX) नन्दू , चन्दू और मंटू साझेदार हैं, जो 5 : 3: 2 के अनुपात में लाभ – हानि बाँटते हैं। नन्दू की मृत्यु हो जाने पर चन्दु और मन्टू उसके अनुपात का 1/3 और 2/3 लेने को सहमत हैं। उनका नया अनुपात होगा –

(अ) 7 : 8 (ब) 8 : 7

(स) 9 : 6 (द) 10 : 5

(XXI) X,Y तथा Z साझेदार है जो 1/2 : 1/4 : 1/4 के अनुपात में लाभ बाँटते हैं। Y के अवकाश ग्रहण करने पर नया अनुपात होगा-

(अ) 1 : 1 (ब) 1 : 2

(स) 1/4 : 1/2 (द) 2:1

(XXII) A, B तथा C लाभ – हानि को 2 : 3 : 4 के अनुपात में बाँटते हुए साझेदार हैं। A अवकाश ग्रहण करता है तथा B औरC भविष्य में 3 : 4 के अनुपात में लाभ बाँटने हेतु सहमत हैं। उसका लाभ प्राप्ति अनुपात होगा –

(अ) 3 : 4 (ब) 2 : 3

(स) 4 : 3 (द) 1 : 1

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये –

(I) जीवन बीमा संचय कोष को .....के पूँजी खाते में हस्तांतरित करेंगे।

(II) नफे के अनुपात से शेष साझेदारो के अनुपात में .....होती है।

(III) अवकाश ग्रहण के समय पूर्नमूल्यांकन से होने वाली हानि सभी साझेदारो के पूँजी खाते के .....में लिखी जाती है।

(IV) साझेदार के अवकाश पर यदि ख्याति खाता खोला गया हो तो उसे अपलिखित करने के लिये शेष साझेदारों के पूँजी खाते.....अनुपात में .....किये जाएगें।

प्रश्न 3. सही जोड़ियाँ बनाइये –

	'अ'	**'ब'**
(I)	फर्म से अवकाश लेना	(अ) साझेदार की मृत्यु पर
(II)	पुराने अनुपात से नया अनुपात अधिक	(ब) मृत साझेदार का उत्तराधिकारी
(III)	संचिति की राशि का भाग	(स) निवर्तन
(IV)	कानूनी प्रतिनिधि को भुगतान	(द) लाभ प्राप्ति का अनुपात

प्रश्न 4. सत्य / असत्य छांटिए–

(I) A B और C क्रमश 3: 2: 1: के साझेदार है। B निवृत होता है। A तथा C का नया अनुपात 3: 2 होगा।

(II) नया अनुपात – पुराना अनुपात = लाभ प्राप्ति अनुपात।

(III) ऐच्छिक साझेदारी के अनुसार एक साझेदार शेष सभी साझेदारों की इच्छा से निवृत हो सकता है।

(IV) जब निवृत मान साझेदार को देय राशि वार्षिक द्वारा चुकायी जाती है तो उसका ऋण खाता रखा जाता है।

(V) संयुक्त जीवन बीमा पालिसी का समपर्ण मूल्य नहीं होता है।

(VI) ख्याति की राशि पर निवृत्त साझेदार का कोई अधिकार नहीं होता है।

(VII) लाभ प्राप्ति अनुपात = नया अनुपात – पुराना अनुपात।

प्रश्न 5. एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(I) नये और पुराने अनुपात का अन्तर क्या कहलाता है?

(II) जब एक साझेदार अपने को साझेदारी से अलग करता है तो ऐसी स्थिति जानी जाती है।
(III) मृत साझेदार की देय राशि का भुगतान किसे किया जाता है।
(IV) साझेदार की निवृत्त के किसी एक कारण को लिखिए।
(V) साझेदार को वार्षिक द्वारा भुगतान करने पर कौन सा खाता खोला जाता है।
(VI) साझेदार के निवृत होने पर हिसाब की कोई एक समस्या बताइये।
(VII) बीमित मूल्य क्या है?
(VIII) समर्पण मूल्य क्या है?
(IX) वार्षिक प्रीमियम क्या है?
(X) अविभाजनीय कोष क्या होता है?
(XI) नये चिट्ठे में कौन सा कोष नहीं दशार्या जावेगा?

अति लघुउत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 30) प्रत्येक प्रश्न 2 अंक

1. एक साझेदार के निवृत्त होने के दो कारण बताइये।
2. जब साझेदार अवकाश ग्रहण करता है तो हिसाब सम्बंधी दो समस्या बताइये।
3. निवृत्त साझेदार को देश राशि के भुगतान की दो पद्धति के नाम बताइये।
4. किन दशाओं में एक साझेदार फर्म से अलग हो सकता है।
5. संचय की सम्पूर्ण राशि को वितरित करने पर नकल प्रविष्टि कीजिए।
6. आन्तरिक कोष के दो मदें लिखिए।
7. वार्षिकी से क्या आशय है?
8. साझेदार की निवृत्ति पर ख्याति के लेखांकन हेतु नकल प्रविष्टि कीजिए।
9. स्वाति , पूजा और श्वेता 1/2 : 1/3 : 1/6 के अनुपात में लाभ – हानि बाँटते हैं। यदि श्वेता व्यापार से अलग होती है, तो स्वाति और पूजा का नया लाभानुपात क्या होगा?
10. A,B और C एक फर्म में साझेदार है और लाभ-हानि 1/2 : 3/10 : 1/5 के अनुपात में बॉटते है । A फर्म से अवकाश ग्रहण करता है और उसका हिस्सा B और C ने 2:1 के अनुपात में ले लिया । साझेदारों का नया लाभ विभाजन अनुपात निकालिए।
11. X,Y और Z एक फर्म में 1 / 2 : 1/ 3 : 1 / 6 के अनुपात में साझेदार हैं। Z व्यापार से अवकाश ग्रहण करता है और X तथा Y उसका लाभांश 3 : 2 में क्रय करते हैं। नया अनुपात ज्ञात कीजिए।
12. रमन , अमन और नमन एक फर्म में साझेदार है । उनके लाभलाभ अनुपात 4 : 3 : 2 है । 31 मार्च 2018 को अमन की मृत्यु हो जाती है। अमन की मृत्यु के पश्चात शेष साझेदारों के लाभलाभ अनुपात क्या होंगे?
13. जया , पायल और मल्लिका अपनी पूँजी के अनुपात में लाभालाभ विभाजन करने वाली साझेदार हैं। उनकी पूँजी क्रमशः ₹20,000, ₹15,000 और ₹10,000 थी। पायल व्यापार से निवृत होती है। जया और मल्लिका भविष्य में 5/8 और 3/8 के अनुपात में लाभ का विभाजन करेंगी । उनके लाभांश प्राप्ति के अनुपात की गणना कीजिए ।
14. X,Y और Z साझेदार है, जो कि लाभों को 4 : 3 : 1 के अनुपात में बाँटते हैं। Y की मृत्यु हो जाती है। X और Z भविष्य में लाभों को 2 : 1 के अनुपात में बाँटने का निश्चय करते हैं। लाभ प्राप्ति अनुपात की गणना कीजिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 120) प्रत्येक प्रश्न 4 अंक

1. साझेदार की मृत्यु की दशा में उसके वैधानिक उत्तराधिकारी को देय राशि की गणना करते समय किन-किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।
2. एक साझेदार के आवकाश ग्रहण पर ख्याति का लेखांकन उपचार समझाइये , जब ख्याति को नयी फर्म के स्थिति विवरण में नहीं दर्शाना है।
3. निवृत साझेदार को देय राशि के भुगतान की विधियों को समझाइये।
4. यदि किसी साझेदार की मृत्यु वर्ष के दौरान हो जाती है तो ऐसे साझेदार के हिस्से का लाभ कैसे ज्ञात करेंगे।
5. पारस, विकास और नितिन एक फर्म में 3: 2: 1 के अनुपात में लाभ बाँटते हैं । विकास 31 दिसम्बर, 2018 को अवकाश ग्रहण करता है। इस दिन साझेदारों के पूँजी खातों के शेष क्रमश : ₹6,000, ₹5,000 और ₹4,000 थे। ख्याति का मूल्य ₹4,500 आँका गया, जो पुस्तकों में नहीं दर्शायी जावेगी। पूनर्मूल्यांकन के आधार पर मशीन ₹1,200 तथा स्कन्ध ₹800 कम कर दिया गया। संदिग्ध ऋणों के लिए ₹280 संचित किये गये। लेनदारों की राशि ₹600 कम कर दी गई और पेटेन्ट, जिसका पुस्तकीय मूल्य ₹300 था, निर्मूल्य हो गया। लाभ – हानि समायोजन खाता तथा साझेदारों के पूँजी खाते बनाइये।
6. अजय, अतुल व अनुराग एक फर्म में साझेदार हैं। वे अपने लाभ-हानि 1 : 2 : 3 के अनुपात में बाँटते हैं। 31 दिसम्बर, 2018 को उनका चिट्ठा इस प्रकार था –

चिट्ठा

दायित्व		**रकम** ₹	**सम्पत्तियाँ**	**रकम** ₹
पुँजी			भवन	60,000
अजय	24,000		फर्नीचर	16,000
अतुल	20,000		देनदार	20,000
अनुराग	16,000	60,000	रोकड़	4,000
सामान्य संचय		18,000		
लेनदार		22,000		
		1,00,000		1,00,000

अनुराग ने 1 जनवरी , 2019 को अवकाश ग्रहण किया । फर्म की ख्याति ₹30,000 आँकी गई। अनुराग को दी जाने वाली राशि उसके ऋण खातेमें हस्तांतरित कीजिए। उक्त विवरण से साझेदारों के पूँजी खाते बनाइए।

7. एक फर्म में X,Y और Z बराबर के साझेदार हैं। 31 दिसम्बर 2014 को Y की मृत्यु हो गई है। इस तिथि पर उसे ₹20,000 देय थे। यह निर्णय लिया गया कि यह राशि ₹5,000 की वार्षिकी द्वारा Y की विधवा पत्नी को भुगतान की जायेगी । प्रथम भुगतान 1 जनवरी, 2015को दिया गया तथा प्रतिवर्ष अन्य भुगतान भी 1 जनवरी को किये गये। जिस उत्तराधिकारी को यह राशि मिलनी

थी, 2 जनवरी 2017 को उसकी मृत्यु हो गई। प्रतिवर्ष अदत्त राशि पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज की गणना की जाती है। वार्षिकी निलम्बित खाता बनाइए।

8. किन दशाओं में एक साझेदार फर्म से अवकाश ग्रहण कर सकता है?

9. निवृत्ति के पश्चात पूँजी खाते के समायोजन को समझाइये।

10. फर्म से निवृत्त होने वाले साझेदार को दी जाने राशि की गणना किस प्रकार की जाती है?

11. अ ,ब और स साझेदार हैं, जो लाभों को 2 : 3 : 5 के अनुपात में बॉटते है। उनकी पुस्तकों में पहले से ही ₹1,00,000 से एक ख्याति खाता विद्यमान है। ब अवकाश ग्रहण करता है और ब के अवकाश ग्रहण करने के दिन ख्याति का मूल्यांकन ₹90,000 पर किया गया। अ और स ने भविष्य में लाभ समान अनुपात में बाँटने का निर्णय किया । आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

12. रवि, सोम और मंगल 2:3:5 के अनुपात में लाभ-हानि बांटते हैं। उनका चिट्ठा 31 दिसम्बर 2018 को निम्नांकित है –

चिट्ठा

दायित्व	रकम ₹	सम्पत्तियां	रकम ₹
सामान्य संचय	18,000	भवन	40,000
लेनदार	12,000	फर्नीचर	20,000
पूंजी		देनदार	15,000
रवि 20,000		रोकड़	9,000
सोम 18,000			
मंगल 16,000	54,000		
	84,000		**84,000**

1 जनवरी, 2019 को मंगल अवकाश ग्रहण करता है। निम्नांकित को ध्यान में रखकर लाभ-हानि समायोजन खाता बनाइए- (1) भवन व फर्नीचर में 5% वृद्धि, (2) देनदारों पर पर 10% अशोध्य ऋण संचय, (3) लेनदारों पर 5% कटौती, (4) वैधानिक व्यय हेतु प्रावधान ₹200

13. X,Y और Z एक फर्म में साझेदार हैं। वे समान अनुपात में लाभलाभ बाँटते हैं।31 दिसम्बर, 2018 को उनका चिट्ठा निम्न था –

चिट्ठा

दायित्व	**रकम** ₹	**सम्पत्तियाँ**	**रकम** ₹
सामान्य संचय	13,500	रोकड़	2,000
लेनदार	16,500	बैंक में शेष	1,000
पूँजी खाते		स्टॉक	4,000
X-18,000		देनदार	15,000
Y-15,000		फर्नीचर	8,000
Z-12,000	45,000	भवन	45,000
	75,000		**75,000**

Z ने जनवरी, 2019 को अवकाश ग्रहण किया। फर्म की ख्याति ₹22,500 आँकी गई। Z को देय राशि की गणना कीजिए और उसके ऋण खाते में अंतरित कीजिए। Z के ऋण का भुगतान 4 समान किश्तों में 8प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से प्रत्येक वर्ष के अन्त में किया जाएगा। Z का ऋण खाता चार वर्षों के लिए खोलिए।

14. A,B और C एक फर्म में साझेदार हैं। वे 4: 3: 2 के अनुपात में लाभ विभाजन करते है । A फर्म से अवकाश ग्रहण करता है। उस दिन फर्म का चिट्ठा निम्न था –

चिट्ठा

दायित्व	**रकम** ₹	**सम्पत्तियाँ**	**रकम** ₹
बैंक अधिविकर्ष	4,000	रोकड़ शेष	1,000
विविध लेनदार	9,000	विविध देनदार	10,000
कर्मचारियों का		स्टॉक	16,000
दुर्घटना कोष	15,000	मोटर कार	8,000
पूँजी खाते–		फर्नीचर	1,000
A–27,000		प्लाण्ट और मशीन	20,000
B–24,000		भूमि और कारखाना	36,000
C–13,000	64,000		
	92,000		**92,000**

A के अवकाश ग्रहण पर निम्नलिखित समायोजन किए गए –

(1) देनदारों पर 10 प्रतिशत डूबत ऋण संचित किया गया।

(2) भूमि और कारखाना ₹66,000 प्लाण्ट और मशीनरी ₹80,000 फर्नीचर ₹3,000 मोटर कार ₹11,000 और स्टॉक ₹21,000 पर पुनर्मूल्यांकित किए गए।

(3) ख्याति का मूल्यांकन गत तीन वर्षों के औसत लाभ के द्वि–वर्षीय क्रय पर किया गया। पिछले तीन वर्षों के लाभ क्रमश: ₹35,000, ₹40,000 और ₹60,000 थे। आपको निम्नलिखित बनाना है -

(1) पुनर्मूल्यांकन खाता,

(2) साझेदारों के पूँजी खाते

15. मृत साझेदार को चुकायी जाने वाली राशि के उन बिन्दुओं को समझाइये जो निवृत्त होने वाले साझेदार की देय राशि से भिन्न है।

16. किसी साझेदार की मृत्यु हो जाने पर उसके कानूनी उत्तराधिकारी को देय राशि की गणना आप किस प्रकार करेंगे?

17. अवकाश प्राप्त साझेदार को दी जाने वाली राशि का भुगतान किन विधियों से किया जा सकता है?

18. दिनेश , महेश और नरेश 7 : 5 : 2 के अनुपात में लाभ – हानि विभाजित करते है। दिनेश व्यापार से निवृत्त होता है। फर्म की कुल ख्याति ₹28,000 आँकी गई है। आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

19. अमन, आशीष और नमीष साझेदार थे, जो लाभों को क्रमश: 5 : 3 : 2 के अनुपात में बॉटते थे। पुस्तकों में ख्याति नहीं दिखाई जाती , परन्तु यह सहमति हुई कि इसका मूल्यांकन ₹50,000 होगा। अमन फर्म से अवकाश ग्रहण करता है तथा आशीष और नमीष ने निश्चित किया कि भविष्य में लाभों को समान बाँटेगे। ख्याति के लिए समायोजन प्रविष्टि कीजिए। अपनी गणना स्पष्ट रूप से दर्शाइए।

---**---**

भाग 1 – इकाई-5

साझेदारी फर्म का विघटन

मा.शि.मंडल मध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार सत्र 2022-2023 में इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 4 अंक के प्रश्न पूछे जायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है –

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
2	1	-	-	4

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिये-

(I) वसूली खाता है –

(अ) व्यक्तिगत खाता (ब) नाममात्र का खाता

(स) साझेदारों का खाता (द) वास्तविक खाता

(II) वसूली खाता बनाया जाता है –

(अ) साझेदार के प्रवेश पर (ब) साझेदार की निवृत्ति पर

(स) फर्म के विघटन पर (द) फर्म के पुनर्गठन पर

(III) फर्म के विघटन पर साझेदार के ऋण को अंतरित किया जाता है –

(अ) वसूली खाते में (ब) साझेदार के पूंजी खाते में

(स) लाभ हानी समायोजन खाते में (द) रोकड़ खाते में

(IV) कौनसा खाता फर्म के जीवन में केवल एक बार ही बनाया जा सकता है –

(अ) वसूली खाता (ब) पुनर्मूल्यांकन खाता

(स) लाभ हानी खाता (द) रोकड़ खाता

(V) फर्म का आकस्मिक या संयोगिक विघटन होगा यदि –

(अ) सभी साझेदार दिवालिया हो जाएँ (ब) एक को छोड़कर सभी साझेदार दिवालिया हो जाएँ

(स) फर्म का व्यवसाय अवैध हो जाए (द) कोई एक साझेदार दिवालिया हो जाए

(VI) वसूली खाते में संपत्तियाँ अंतरित करते हैं –

(अ) पुस्तकीय मूल्य पर (ब) लागत मूल्य पर

(स) बाजार मूल्य पर (द) विक्रय मूल्य पर

(VII) फर्म के विघटन पर बैंक अधिविकर्ष को अंतरित किया जाता है –

(अ) वसूली खाते में (ब) साझेदारों के पूंजी खाते में

(स) लाभ हानी समायोजन खाते में (द) रोकड़ खाते में

(VIII) अलिखित संपत्ति के विक्रय से प्राप्त राशि लिखी जाती है –

(अ) साझेदारों के पूंजी खाते में (ब) वसूली खाते में

(स) लाभ हानी समायोजन खाते में (द) संपत्ति खाते में

(IX) निम्नलिखित में से किसे वसूली खाते में अंतरित किया जाता है –

(अ) साझेदार का ऋण (ब) अविभाजित लाभ

(स) बैंक अधिविकर्ष (द) रोकड़

(X) निम्नलिखित में से किसे वसूली खाते में अंतरित नहीं किया जाता है –

(अ) डूबत ऋण संचिति (ब) बैंक अधिविकर्ष

(स) विनियोग उच्चावचान कोष (द) रोकड़ व बैंक शेष

(XI) लेनदार और देय विपत्रों जैसे दायित्वों को वसूली खाते में अंतरित करने के पश्चात भुगतान की सूचना के अभाव में ऐसे दायित्वों का–

(अ) भुगतान नहीं होगा (ब) पूर्ण भुगतान होगा

(स) आंशिक भुगतान होगा (द) वसूली पर लाभ होने पर ही भुगतान होगा

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये –

(I) वसूली खाता फर्म के जीवन में ..... बार बनाया जाता है।

(II) वसूली खाता ..... प्रकृति का खाता होता है।

(III) फर्म के विघटन पर बाहरी दायित्वों को ..... खाते में अंतरित करते हैं।

(IV) वसूली खाते में संपत्तियों को उनके ..... मूल्य पर अंतरित करते हैं।

(V) वसूली खाते का शेष ..... साझेदारों में बांटा जाता है।

(VI) फर्म के विघटन के पश्चात साझेदार स्वयं का ..... कर सकते हैं।

(VII) फर्म के विघटन पर सर्वप्रथम ..... दायित्वों को भुगतान किया जाता है।

(VIII) सभी साझेदारों के दिवालिया होने पर फर्म का ..... विघटन होता है।

(IX) निश्चित अवधि जिसके लिए साझेदारी की गयी थी, व्यतीत हो जाने पर फर्म का ..... विघटन होता है।

(X) फर्म के विघटन पर चिट्ठे की समस्त वास्तविक सम्पत्तियों को वसूली खाते के ..... पक्ष में अंतरित करते हैं।

(XI) फर्म का व्यापार अवैध हो जाने पर फर्म का ..... विघटन होता है।

(XII) फर्म का कोई साझेदार वैधानिक रूप से दिवालिया हो जाए तो फर्म का ..... विघटन होता है।

(XIII) फर्म के विघटन पर हिसाब की पुस्तकों को ..... कर दिया जाता है।

प्रश्न 3. सही जोड़ियाँ बनाइये –

A	'अ'	'ब'
(I)	सभी साझेदारों का दिवालिया होना	(अ) वसूली खाते में अंतरित करते हैं
(II)	किसी एक साझेदार का दिवालिया होना	(ब) वसूली खाते में अंतरित नहीं करते हैं
(III)	वसूली खाता	(स) संयोग द्वारा विघटन
(IV)	बैंक अधिविकर्ष	(द) फर्म के जीवनकाल में एक बार बनाते हैं
(V)	रोकड़ खाता	(ई) अनिवार्य विघटन

B	'अ'	'ब'
(I)	अलिखित दायित्व का भुगतान	(अ) नाममात्र का खाता
(II)	फर्म विघटन पर सबसे पहले भुगतान	(ब) साझेदारों के पूंजी खाते में
(III)	वसूली खाता	(स) अनिवार्य विघटन
(IV)	संचय व कोषों का अंतरण	(द) वसूली खाते के नाम पक्ष में
(V)	फर्म का व्यापार अवैध होना	(ई) बाहरी दायित्व

प्रश्न 4. सत्य / असत्य छांटिए-

(i) वसूली खाता फर्म के पुनर्गठन पर बनाया जाता है।

(ii) वसूली खाता फर्म के जीवन में अनेक बार बनाया जा सकता है।

(iii) फर्म के विघटन पर सर्वप्रथम बाहरी दायित्वों का भुगतान किया जाता है।

(iv) बैंक अधिविकर्ष को वसूली खाते में अंतरित नहीं किया जाता है।

(v) फर्म के समापन पर संचय व कोषों का शेष साझेदारों के पूंजी खाते में अंतरित किया जाता है।

(vi) वसूली खाता वास्तविक प्रकृति का खाता होता है।

(vii) फर्म के विघटन और साझेदारी के विघटन में कोई अंतर नहीं है।

(viii) फर्म के विघटन पर अलिखित संपत्ति से प्राप्ति को वसूली खाते में जमा किया जाता है।

(ix) फर्म के विघटन पर पुनर्मूल्यांकन खाता बनाया जाता है।

(x) ऐच्छिक साझेदारी का विघटन साझेदारों द्वारा एक दूसरे को लिखित सूचना देकर किया जा सकता है।

प्रश्न 5. एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(i) वसूली खाता कब बनाया जाता है?

(ii) वसूली खाते में सम्पत्तियों को किस मूल्य पर अंतरित करते हैं?

(iii) फर्म के विघटन पर सम्पत्तियों से प्राप्ति और दायित्वों के भुगतान के लिए कौन सा खाता बनाते हैं।

(iv) फर्म के अनिवार्य विघटन की कोई 1 दशा बताइये।

(v) फर्म के विघटन पर साझेदार का ऋण किस खाते में अंतरित करते हैं?

(vi) फर्म के सांयोगिक विघटन की कोई 1 दशा बताइये।

(vii) वसूली खाता फर्म के जीवन में कितनी बार बनाया जा सकता है?

(viii) अलिखित संपत्ति से प्राप्त रकम को किस खाते में जमा किया जाता है?

(ix) कौनसा खाता केवल फर्म के विघटन पर ही बनाया जा सकता है?

(x) वसूली खाता किस प्रकृति का खाता है?

अति लघुउत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 30) प्रत्येक प्रश्न 2 अंक

1. वसूली खाते से क्या आशय है?
2. साझेदारी फ़र्म के विघटन से क्या आशय है?
3. वे कौनसी दशाएँ हैं, जब फ़र्म का अनिवार्य विघटन होता है?
4. साझेदारी के विघटन से आशय लिखिए।
5. फर्म के विघटन पर चिट्ठे से वसूली खाते में किन खातों को अंतरित नहीं किया जाता है?
6. फर्म के विघटन पर बनाए जाने वाले खातों के नाम दीजिये।
7. फर्म के संयोगिक विघटन की दशाएँ लिखिए।
8. फर्म के अनिवार्य विघटन से क्या आशय है?
9. फर्म के समापन का क्या प्रभाव होता है?
10. फर्म का समझौते द्वारा समापन से क्या आशय है?
11. फर्म के समापन पर विभिन्न संपत्तियों और बाहरी दायित्वों के शेष को वसूली खाते के किस पक्ष में अंतरित करते हैं?
12. साझेदारी फर्म का सूचना द्वारा विघटन से आप क्या समझते हैं?
13. साझेदारी फर्म के विघटन पर बैंक अधिविकर्ष और साझेदारों के ऋण को चिट्ठे से किस खाते में अंतरित किया जाता है?
14. फर्म के विघटन पर परिसंपत्तियों के वसूली खाते में अंतरण पर क्या जर्नल प्रविष्टि की जाती है?
15. फर्म के विघटन पर बाहरी दायित्वों के वसूली खाते में अंतरण पर क्या जर्नल प्रविष्टि की जाती है?
16. किन्हीं दो दशाओं के नाम दीजिये जब न्यायालय फर्म के विघटन का आदेश दे सकता है?
17. फर्म के विघटन का फर्म की हिसाब की पुस्तकों पर क्या प्रभाव पड़ता है?
18. फर्म के विघटन पर एक अलिखित संपत्ति ₹10000 की एक साझेदार "अ" ने ली, इसके संबंध में वसूली खाते और साझेदारों के पूंजी खाते में कहाँ और क्या लेखा होगा?

19. एक फर्म (जिसमें राम और श्याम बराबर के साझेदार थे) के विघटन के समय उसकी वास्तविक संपत्तियों का योग ₹100000 और बाहरी दायित्वों का योग ₹30000 था संपत्तियों से ₹90000 प्राप्त हुये। वसूली खाता बनाइये।
20. किन दशाओं में न्यायालय फर्म के विघटन के लिए आदेश दे सकता है?
21. फर्म के सभी साझेदारों ने फर्म के विघटन की इच्छा व्यक्त की। मोहन एक साझेदार है जो अपने ₹20000 के ऋण को साझेदारों की पूंजी भुगतान से पहले भुगतान चाहता है। लेकिन सोहन एक अन्य साझेदार है जो पूँजी का भुगतान मोहन के ऋण के भुगतान के पहले चाहता है । कारण बताते हुए विघटन हेतु सुझाव दीजिये।
22. ऐच्छिक साझेदारी का विघटन कैसे किया जा सकता है?
23. निम्न में से प्रत्येक दशा में फर्म का विघटन किस रीति से होगा-
    (i) सभी साझेदारों के दिवालिया होने पर,
    (ii) वह कार्य जिसके लिए साझेदारी की गयी थी पूर्ण हो जाने पर
24. फर्म के विघटन पर दायित्वों के भुगतान का क्रम बताइये।
25. क्या होगा यदि फर्म के विघटन पर कोई साझेदार स्वयं की पूंजी की कमी के भुगतान में असमर्थ हो?
26. क्या होगा जब ऐसा आभास हो जाए की साझेदारी फर्म का व्यवसाय निरंतर हानि में ही चलेगा?
27. वसूली खाते और पुनर्मूल्यांकन खाते में 2 अंतर लिखिए।
28. साझेदारी के विघटन और साझेदारी फर्म के विघटन में 2 अंतर लिखिए।
29. साझेदारी के आकस्मिक विघटन और अनिवार्य विघटन में 2 अंतर लिखिए।
30. वसूली खाते का काल्पनिक प्रारूप दीजिये।
31. फर्म के विघटन पर साझेदारी अधिनियम के अनुसार हिसाब किताब का निबटारा करने के लिए परिसंपत्तियों का किस क्रम में उपयोग किया जा सकता है?

___**___**

भाग 2 -इकाई-1

कम्पनी लेखे – अंश पूंजी के लिए लेखांकन

मा.शि.मंडल मध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार सत्र 2022-2023 में इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 16 अंक के प्रश्न पूछे जायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है –

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
4	4	-	1	16

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिये-

(I) कंपनी की अधिकृत पूंजी का वह भाग जो जनता के समक्ष बेचने के लिए प्रस्तुत किया जाता है, कहलाता है –

(अ) निर्गमित पूंजी (ब) याचित पूंजी

(स) प्रार्थित पूंजी (द) संचित पूंजी

(II) अंशो के हरण पर जप्त की गई राशि किस खाते में हस्तांतरित की जाती है –

(अ) अंश प्रीमियम खाते में (ब) अंश हरण खाते में

(स) अंश आवेदन खाते में (द) अंश याचना खाते में

(III) अंशो के पुन:निर्गमन पर दिया गया बट्टा अधिकतम कितना हो सकता है–

(अ) 15% (ब) 10%

(स) अंश हरण राशि के बराबर (द) इनमें से कोई नहीं

(IV) निम्नलिखित में से किसे मताधिकार प्राप्त है –

(अ) ऋणपत्रधारी (ब) समता अंशधारी

(स) पूर्वाधिकार अंशधारी (द) इनमें से कोई नहीं

(V) निम्नलिखित में से किसकी लाभांश की दर अनिश्चित है -

(अ) ऋणपत्रधारी (ब) समता अंशधारी

(स) पूर्वाधिकार अंशधारी (द) इनमें से कोई नहीं

(VI) समता अंशधारी होते हैं –

(अ) कंपनी के ग्राहक (ब) कंपनी के स्वामी

(स) कंपनी के लेनदार (द) इनमें से कोई नहीं

(VII) अंश धारी प्राप्त करते हैं –

(अ) ब्याज (ब) लाभांश

(स) कमीशन (द) इनमें से कोई नहीं

(VIII) निजी कंपनी के अधिकतम सदस्यों की संख्या कितनी हो सकती है –

(अ) 20 (ब) 200

(स) 40 (द) 7

(IX) जप्त अंशों के पुनर्निर्गमन करने पर अंश हरण खाते का शेष कहां स्थानांतरित करते हैं –

(अ) अंश पूंजी खाते में (ब) अंश आवंटन खाते में

(स) लाभ हानि खाते में (द) पूंजीगत संचय खाते में

(X) ऐसे अंश जिन्हें लाभांश प्राप्ति एवं कंपनी के समापन पर पूंजी की वापसी का अधिकार पूर्वाधिकारी अंशों के बाद होता है, उसे कहा जाता है –

(अ) पूर्वाधिकारी अंश (ब) समता अंश

(स) अधिकार अंश (द) इनमें से कोई नहीं

(XI) जिन अंशों पर लाभांश की दर निश्चित होती है और जिन्हें समापन पर पूंजी की वापसी का पहला अधिकार होता है, वह कहलाते हैं –

(अ) समता अंश (ब) पूर्वाधिकार अंश

(स) ऋणपत्र (द) इनमें से कोई नहीं

(XII) वह पूंजी जिससे अधिक अंशों का निर्गमन नहीं किया जा सकता, कहलाती है –

(अ) चुकता पूंजी (ब) याचित पूंजी

(स) अधिकृत पूंजी (द) निर्गमित पूंजी

(XIII) एक कंपनी ने ₹10 वाले 10,000 अंश निर्गमित किए । जनता से 12,000 अंशों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए,यह कहलाएगा –

(अ) याचना (ब) अति अभियान

(स) अल्प अभिदान (द) अवशिष्ट याचना

(XIV) भारतीय कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसार एक कंपनी निर्गत कर सकती है –

(अ) सिर्फ समता अंश (ब) सिर्फ पूर्वाधिकार अंश

(स) समता एवं पूर्वाधिकार अंश (द) इनमें से कोई नहीं

(XV) अंश आवेदन खाता है –

(अ) व्यक्तिगत खाता (ब) अव्यक्तिगत खाता

(स) वास्तविक खाता (द) नाममात्र का खाता

(XVI) सार्वजनिक कंपनी की न्यूनतम एवं अधिकतम सदस्य संख्या है –

(अ) 7 और 50 (ब) 10 और 20

(स) 7 और असीमित (द) निर्धारित नहीं

(XVII) अंश हरण के अंश धारी को नोटिस देना होगा –

(अ) 10 दिन का (ब) 60 दिन का

(स) 14 दिन का (द) 15 दिन का

(XVIII) अंश हरण सम्बंधी लिखित सूचना अंशधारी को कितने दिन पूर्व देनी चाहिए –

(अ) 21 दिन (ब) 14 दिन

(स) 7 दिन (द) इनमें से कोई नहीं

(XIX) सार्वजनिक कंपनी द्वारा अंशों के विक्रय हेतु जारी किए जाने वाला प्रलेख है –

(अ) पार्षद सीमा नियम (ब) पार्षद अंतर नियम

(स) सारणी 'F' (द) प्रविवरण

(XX) पूंजी का भाग जो केवल कंपनी के समापन के समय मांगा जाता है, कहलाता है –

(अ) अधिकृत पूंजी (ब) निर्गमित पूंजी

(स) प्रार्थित पूंजी (द) संचित पूंजी

(XXI) अवशिष्ट याचना पर सारणी 'F' के अनुसार ब्याज की दर होती है –

(अ) 6% वार्षिक (ब) 10% वार्षिक

(स) 8% वार्षिक (द) 5% वार्षिक

(XXII) प्रतिभूति प्रीमियम है –

(अ) पूंजीगत लाभ (ब) आगमगत लाभ

(स) पूंजीगत हानि (द) आगमगत हानि

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये –

(I) .....अंशधारियों को प्रत्येक प्रस्ताव पर मत देने का अधिकार है।

(II) कंपनी के समापन पर ..... अंशधारियों को पूंजी सबसे पहले लौटाई जाती है।

(III) .....कंपनी के वास्तविक स्वामी माने जाते हैं।

(IV) जब निर्गमित किए गए अंशों की तुलना में अधिक आवेदन प्राप्त हो तो इसे .....कहते हैं।

(V) जब अंशों को उसके अंकित मूल्य से अधिक पर जारी किया जाए तो वह .....पर निर्गमन कहलाता है।

(VI) जब अंशों का निर्गमन इसके अंकित मूल्य से कम पर किया जाए तो उसे ..... निर्गमन कहा जाता है।

(VII) कंपनी विधान द्वारा निर्मित एक.....है।

(VIII) प्रतिभूति प्रीमियम संचय का शेष कंपनी के चिट्ठे में .....की ओर दिखाया जाता है।

(IX) अंश जिन पर एक निश्चित प्रतिशत दर पर लाभांश भुगतान किया जाता है .....कहलाते हैं।

(X) अंशो के निर्गमन पर प्राप्त प्रीमियम, कंपनी का .....लाभ है।

(XI) अंश का .....मूल्य होता है जबकि स्कंध का कोई .....मूल्य नहीं होता है।

(XII) ₹20 वाला कोई अंश ₹25 पर जारी किया जाए तो इसे अंश का .....पर निर्गमन कहते हैं।

(XIII) हरण किए गए अंश के पुनर्निर्गमन पर बट्टे की राशि से .....खाता डेबिट किया जाता है।

(XIV) तालिका 'F' के अनुसार अग्रिम याचना पर .....वार्षिक की दर से ब्याज दिया जाता है।

(XV) अंश.....प्रकार के होते हैं।

(XVI) अंश आबंटन खाता .....खाता होता है।

(XVII) पार्षद सीमा नियम .....का उल्लेख करता है।

(XVIII) अशोद्ध ऋणपत्र वे होते हैं जिनका .....कंपनी के समापन की दशा में किया जाता है।

प्रश्न 3. सही जोड़ियाँ बनाइये –

A	**'अ'**	**'ब'**
(I)	कम आवेदन की प्राप्ति	(अ) अदत्त याचना
(II)	अवशिष्ट याचना	(ब) पूंजीगत संचय
(III)	संचित पूंजी	(स) अल्प अभिदान
(IV)	अंश हरण खाते का शेष	(द) कंपनी का समापन
(V)	अंश हरण पर जप्त राशि	(इ) अंश हरण खाते

B	**'अ'**	**'ब'**
(I)	अति अभिदान	(अ) पूंजी वापसी की प्राथमिकता
(II)	निश्चित दर से लाभांश	(ब) कंपनी के स्वामी
(III)	समता अंशधारी	(स) पूर्वाधिकार अंश
(IV)	पूर्वाधिकार अंश	(द) आनुपातिक आवंटन
(V)	पार्षद सीमा नियम	(इ) रजिस्टर्ड पूंजी
(VI)	अधिकृत पूंजी	(फ) कंपनी की आधारशिला

C	**'अ'**	**'ब'**
(I)	संचित पूंजी	(अ) समता अंशधारी
(II)	लाभांश की दर अनिश्चितता वाले अंश	(ब) अति अभिदान
(III)	मताधिकार प्राप्त अंशधारी	(स) कंपनी के समापन पर
(IV)	लाभांश का पूर्वाधिकार	(द) समता अंश
(V)	अधिक आवेदन प्राप्ति	(इ) पूर्वाधिकार अंशधारी

प्रश्न 4. सत्य / असत्य छांटिए-

(I) अग्रिम मांग अंश पूंजी का एक भाग है।
(II) अंश स्कंध का कोई अंकित मूल्य नहीं होता।
(III) समता अंशधारियों को लाभ होने पर लाभांश देना अनिवार्य है।
(IV) कंपनी में अंशधारियों का दायित्व असीमित होता है।
(V) अंश प्रीमियम एक पूंजीगत लाभ है।
(VI) दो याचनाओं के मध्य 15 दिन से कम का अंतर नहीं होना चाहिए।
(VII) एक सार्वजनिक कंपनी न्यूनतम अभिदान राशि प्राप्त किए बिना अंशों क आवंटन नहीं कर सकती है।
(VIII) कंपनी अधिकृत पूंजी से अधिक अंश का निर्गमन कर सकती है।
(IX) अंशो के निर्गमन पर दिया जाने वाला बट्टा 10% से अधिक नहीं हो सकता है।
(X) दो याचनाओं के मध्य न्यूनतम 2 माह का समय होना चाहिए।
(XI) अंशों की संपूर्ण राशि एक साथ प्राप्त की जा सकती है।
(XII) अग्रिम याचना प्राप्त होने पर बैंक खाता डेबिट और अग्रिम याचना खाता क्रेडिट किया जाता है।
(XIII) एक निजी कंपनी प्रविवरण जारी नहीं करती है।
(XIV) अंश प्रीमियम की राशि को चिट्ठे में ''संचय व अतिरेक'' शीर्षक के अंतर्गत प्रदर्शित किया जाता है।
(XV) समता अंशों पर लाभांश की दर निश्चित होती है।

प्रश्न 5. एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(I) निर्गर्मित अंशों से कम के लिए आवेदन पत्र आए तो ऐसी स्थिति को क्या कहते हैं?
(II) कम्पनी की स्थापना करने वाले व्यक्ति को क्या कहते हैं?
(III) क्रय प्रतिफल –शुद्ध सम्पत्ति = ?
(IV) अंकित मूल्य से अधिक मूल्य पर अंशों का निर्गमन कहलाता है।
(V) अंकित मूल्य से कम मूल्य पर अंशों का निर्गमन कहलाता है।
(VI) अंकित मूल्य पर अंशों का निर्गमन कहलाता है।
(VII) जब अंशों का निर्गमन अंकित मूल्य से अधिक मूल्य पर किया जाए तो आधिक्य राशि क्या कहलाती है?
(VIII) अंश धारी को जो प्रमाण पत्र दिया जाता है, उसे कहते हैं।

अति लघुउत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 30) प्रत्येक प्रश्न 2 अंक

1. अंश अधिपत्र क्या है?
2. श्रम साध्य साधारण अंश से क्या तात्पर्य है?
3. अग्रिम याचना से क्या आशय है?
4. अंश हरण से क्या आशय है?
5. निजी कंपनी को परिभाषित कीजिए।
6. अंश समर्पण किसे कहते हैं?
7. बकाया मांग से क्या अभिप्राय है?
8. प्रतिभूति प्रीमियम का प्रयोग कहां किया जा सकता है?
9. अग्रिम मांग से क्या अभिप्राय है?
10. भाग युक्त एवं अभाग युक्त पूर्वाधिकार अंश से क्या आशय है?

11. शोधनीय एवं अशोधनीय पूर्वाधिकार अंश से क्या आशय है?
12. न्यूनतम अभिदान पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
13. संचित पूंजी क्या होती है?
14. अंश प्रीमियम से क्या आशय है?
15. समता अंशों से क्या आशय है?
16. पूर्वाधिकार अंश किसे कहते हैं?
17. पार्षद सीमा नियम क्या है?
18. न्यूनतम अभिदान किसे कहते हैं?
19. स्कंध किसे कहते हैं?
20. सार्वजनिक कंपनी क्या है?
21. निजी कंपनी क्या है?
22. अंशों का हरण कब किया जा सकता है?
23. अंश से क्या आशय है?
24. कंपनी को परिभाषित कीजिए।
25. कंपनी शब्द का क्या अर्थ है?
26. ''कंपनी विधान द्वारा निर्मित एक प्रति व्यक्ति है'' समझाइए।
27. अति अभिदान एवं अल्प अभिदान शब्दों को स्पष्ट करें।
28. संचयी और असंचयी पूर्वाधिकार अंशों से क्या तात्पर्य है?
29. परिवर्तनीय एवं अपरिवर्तनीय पूर्वाधिकार अंशों से क्या आशय है?
30. जेड लिमिटेड ने ₹10 वाले 30,000, 12% पूर्वाधिकार अंश जनता में निर्गर्मित किए। सम्पूर्ण राशि एकमुश्त प्राप्त हो गयी। जेड लिमिटेड की पुस्तकों में नकल प्रविष्टियां कीजिए।
31. एक कंपनी ने ₹10 वाले 25,000 जनता में निर्गमित किए। सभी राशियां एकमुश्त प्राप्त हो गई। आवश्यक पंजी प्रविष्टि कीजिए।
32. XYZ लिमिटेड ने ₹10 वाले 20,000, समता अंश 10% प्रीमियम पर, जनता में निर्गमित किए। सम्पूर्ण राशि एकमुश्त प्राप्त हो गयी। XYZ लिमिटेड की पुस्तकों में नकल प्रविष्टि कीजिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 120) प्रत्येक प्रश्न 4 अंक

1. समता अंश एवं पूर्वाधिकार अंश में अंतर बताइए।
2. पार्षद सीमा नियम एवं पार्षद अंतर्नियम में अंतर बताइए।
3. अंशधारी और ऋणपत्रधारी में अंतर बताइए।
4. कम्पनी की विशेषताओं का वर्णन करिए।
5. पूर्वाधिकार अंश(अधिमानी अंश) क्या है? विभिन्न प्रकार के पूर्वाधिकार अंशों(अधिमानी अंशों) का वर्णन करें।
6. कंपनी की पूंजी संरचना पर एक टिप्पणी लिखिए।
7. अंश हरण एवं अंश समर्पण में अंतर लिखिए।
8. अधिकृत पूंजी एवं चुकता पूंजी में अंतर लिखिए।
9. प्रविवरण के उद्देश्य बताइए।
10. अंशो की विशेषताएं लिखिए।
11. समता अंश की विशेषताएं लिखिए।

12. अंश एवं स्कंध में अंतर लिखिए।
13. अवशिष्ट याचना और अग्रिम याचना में अंतर बताइए।
14. पूर्वाधिकार अंशों के तीन प्रकार समझाइए।
15. अंशो के हरण शब्द की व्याख्या करें एवं हरण का लेखा विधि को बताएं।
16. उन परिस्थितियों का स्पष्ट रूप से वर्णन करें जिनके अंतर्गत कंपनी बट्टे पर अंशों का निर्गमन कर सकती है।
17. उन उद्देश्यों का वर्णन करें जिनके लिए कंपनी प्रतिभूति प्रीमियम की राशि का प्रयोग किया जा सकता है?
18. अंशो के हरण की वैध दशाओं का वर्णन कीजिए।
19. इन्दौर के अमन लिमिटेड ने ₹6,00,000 का एक भवन, भुवन ट्रेडर्स से खरीदा। उन्होंने ₹1,00,000 नकद दिए और शेष राशि के लिए ₹100 वाले 5000 समता अंश पूर्ण दत्त निर्गमित किए। कंपनी की बही में जर्नल प्रविष्टियां कीजिए ।
20. राम लिमिटेड ने एक अंशधारी के ₹10 वाले पूर्णयाचित 50 अंशों को जप्त कर लिया। अंशधारी ने आवेदन पर ₹3 प्रति अंश तो दे दिए थे लेकिन आवंटन के ₹3 प्रति अंश व अंतिम याचना के ₹4 प्रति अंश नहीं दे सका। अंशो के हरण की पंजी प्रविष्टि कीजिए।
21. अ ब स लिमिटेड ने ₹100 वाले 5,000 अंश ₹10 प्रतिशत प्रीमियम पर निर्गमित किए जो इस प्रकार देय हैं - आवेदन पर ₹20, आवंटन पर ₹50 (प्रीमियम सहित) एवं याचना ₹40 प्रति अंश । कंपनी की पुस्तकों में आवश्यक पंजी प्रविष्टियां कीजिए।
22. गणेश लिमिटेड ने ₹100 प्रत्येक के 50,000 समता अंशों का निर्गमन किया जो ₹25 आवेदन पर ₹50 आवंटन पर एवं ₹25 प्रथम एवं अंतिम याचना पर देय हैं । सभी राशि विधिवत प्राप्त हो गई, इन व्यवहारों को कंपनी के रोजनामचे में अभिलिखित करें।
23. अमर लिमिटेड की ₹3,00,000 की अधिकृत पूंजी है,जो कि ₹10 प्रत्येक अंश के 30,000 अंशों में विभाजित है, से पंजीकृत है। जनता को आमंत्रित की गई जिस पर ₹4 प्रति अंश आवेदन पर, ₹3 प्रति अंश आवंटन पर, ₹3 प्रति अंश प्रथम एवं अंतिम याचना पर देय हैं। इन अंशों पर पूर्ण अभिदान प्राप्त हुआ और सभी राशियां प्राप्त की गई, रोजनामचा एवं रोकड़ पुस्तक तैयार करें।
24. कविता लिमिटेड ने ₹10 वाले 30,000 समता अंश निर्गमित किए। आवेदन पर ₹2, आवंटन पर ₹3 और याचना पर ₹5 देय थे। एक व्यक्ति जिसके पास 200 है उसने याचना राशि नहीं चुकाई। अत: उसके अंश जप्त कर लिए गए। जप्त अंशों को ₹8 प्रति अंश से पुन:निर्गमित किए गए। जब्ती एवं पुन: निर्गमन से संबंधित आवश्यक पंजी प्रविष्टि कीजिए।
25. ललित ग्लास लिमिटेड में ₹100 प्रत्येक के 10,000 अंशों को ₹110 प्रति अंशों में निर्गमन किया, जिन पर ₹20 आवेदन पर ₹40 आवंटन पर(प्रीमियम सहित)₹30 प्रथम याचना पर एवं ₹20 अंतिम याचना पर देय हैं। 12,000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए एवं 10,000 अंशों का आवंटन किया गया और 2,000 अंशों को अस्वीकार कर, उन पर प्राप्त राशि लौटा दी गई। सभी राशि प्राप्त हो गई, आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियां कीजिए।

---**---**

भाग 2– इकाई-2

उपखंड-1 ऋणपत्रों का निर्गमन

मा.शि.मंडल मध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार सत्र 2022-2023 में इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 8 अंक के प्रश्न पूछे जायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है –

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
3	1	1	-	8

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिये–

(I) ऋणपत्रों के निर्गमन पर कटौती की राशि है–
(अ) पूँजीगत हानि (ब) आगमगत हानि
(स) पूँजीगत व्यय (द) आगमगत व्यय

(II) ऋणपत्र पर ब्याज के भुगतान की अवधि है –
(अ) 3 माह (ब) 6 माह
(स) 1 वर्ष (द) किसी भी समय

(III) ऋणपत्रधारी कंपनी के होते है–
(अ) स्वामी (ब) लेनदार
(स) देनदार (द) कर्मचारी

(IV) ऋणपत्र जिनका हस्तांतरण केवल सुपुर्दगी मात्र से हो जाता है–
(अ) वाहक ऋणपत्र (ब) बंधक ऋणपत्र
(स) रजिस्टर्ड ऋणपत्र (द) साधारण ऋणपत्र

(V) ऋणपत्रों के प्रतिफल स्वरूप ऋणपत्रधारी को प्राप्त होता है–
(अ) लाभ (ब) ब्याज
(स) कमीशन (द) दलाली

(VI) ऋणपत्रों से होने वाली आय होती है –
(अ) निश्चित (ब) अनिश्चित
(स) अत्यधिक (द) इनमें से कोई नहीं

(VII) ऋणपत्रों के निर्गमन पर प्रीमियम को चिट्ठे में दर्शाया जाता है–
(अ) अंश पूँजी में (ब) सुरक्षित ऋण में
(स) रिजर्व तथा आधिक्य में (द) चालू दायित्व में

(VIII) स्वयं के ऋणपत्र वे ऋणपत्र है जो–
(अ) कंपनी अपने प्रवर्तकों को आवंटित करती है
(ब) अपने निदेशकों को आवंटित करती है
(स) बाजार से खरीदती है और निवेश के रूप में अपने पास रखती है
(द) उपर्युक्त सभी

(IX) ऋण पत्रों को कितने प्रकार से वर्गीकृत किया जा सकता है –

(अ) दो (ब) चार

(स) पांच (द) छह

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये –

(I) ऋणपत्रधारी को कंपनी के.....में भाग लेने का अधिकार नहीं होता है।

(II) ऋणपत्र ऋण का एक लिखित..... है।

(III) जिन ऋणपत्रों को अंशों में परिवर्तित किया जा सकता है,उन्हें .....ऋणपत्र कहते हैं।

(IV) ऋणपत्रधारी कंपनी..... के होते हैं।

(V) ऋणपत्रधारी को..... देने का अधिकार नहीं होता है।

(VI) ऋणपत्रधारियों को ऋण वापसी के लिए .....पर प्राथमिकता दी जाती है।

(VII) ऋणपत्रों पर दिया जाने वाला बट्टा चिट्ठे के .....पक्ष की ओर विविध व्यय शीर्षक के अंतर्गत दर्शाया जाता है।

(VIII) जिन ऋणपत्रों का भुगतान एक निश्चित अवधि के बाद कर दिया जाता है उन्हें ..... ऋणपत्र कहते हैं।

(IX) कंपनी प्रवर्तक को उनकी सेवाओं के बदले ऋणपत्र जारी करने पर..... खाता डेबिट किया जाता है।

(X) वह पत्र जो लिए गए ऋण के बदले कंपनी की सार्वमुद्रा के अधीन जारी किया जाता है ..... कहलाता है।

प्रश्न 3. सही जोड़ियाँ बनाइये –

	'अ'		**'ब'**
(I)	ऋणपत्रधारी	(अ)	कृत्रिम संपत्ति
(II)	ऋणपत्रों पर प्रीमियम	(ब)	10%
(III)	ऋणपत्रों के निर्गमन पर कटौति	(स)	कंपनी के ऋणदाता
(IV)	ऋणपत्रों के निर्गमन से प्राप्त राशि	(द)	पूँजीगत लाभ
(V)	ऋणपत्रों के निर्गमन पर अधिकतम कटौति	(ई)	पूँजीगत प्राप्ति

प्रश्न 4. सत्य / असत्य छांटिए–

(I) ऋणपत्र धारी कंपनी के सदस्य नहीं होते हैं।

(II) ऋणपत्र धारियों को कंपनी के सामान्य सभा में मतदान करने का अधिकार होता है।

(III) ऋणपत्र अल्पकालीन ऋण की प्रकृति के होते है।

(IV) ऋणपत्रधारी को कंपनी के अंशधारी भी कहते है।

(V) ऋणपत्र स्वामित्व पूँजी का एक हिस्सा है।

(VI) ऋणपत्रों पर दिए जाने वाले ब्याज का भुगतान कंपनी के लाभों में से किया जाता है।

(VII) बंधक ऋणपत्र सुरक्षित ऋणपत्र कहलाते है।

(VIII) ऋणपत्रधारियों को निश्चित दर से लाभांश मिलता है।

(IX) कंपनी ऋणपत्रों का निर्गमन रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल में कर सकती है।

(X) स्थायी ऋणपत्रों को अमोचनीय ऋणपत्रों के नाम से भी जाना जाता है।

(XI) कूपन दर ऋणपत्रों पर ब्याज दर निर्धारित रहती है।

(XII) ऋणपत्रों को अंशों में परिवर्तित नहीं किया जा सकता है।

प्रश्न 5. एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(I) दीर्घकालीन ऋणों के लिए जारी प्रपत्र कहलाते हैं?
(II) ऋणपत्र जिन्हें अंशों में परिवर्तित किया जा सकता है,कहलाते है।
(III) ऋणपत्रधारियों को ऋण के प्रतिफल में प्राप्त होता है।
(IV) ऋणपत्र जिसका भुगतान केवल कंपनी के समापन पर होता है, कहलाते हैं।
(V) किन ऋणपत्रों का भुगतान केवल सुपुर्दगी मात्र से हो जाता है।
(VI) निर्गमित ऋणपत्रों का कम से कम कितना भाग लाभों में संचित करना अनिवार्य है।
(VII) ऋणपत्र जिसमें ब्याज का पूर्व उल्लेख नहीं होता है,कहलाते हैं।
(VIII) वे ऋणपत्र जिनका नाम कंपनी के रजिस्टर में दर्ज होता है, कहलाते है।
(IX) ऋणपत्रधारी कंपनी के कौन होते है?
(X) क्या ऋणपत्रों को जब्त किया जा सकता है?

अति लघुउत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 30) प्रत्येक प्रश्न 2 अंक

1. ऋणपत्र को परिभाषित कीजिए।
2. ऋणपत्रधारी की वैधानिक स्थिति समझाइए।
3. ऋणपत्र निर्गमन के उद्देश्य लिखिए।
4. 'पंजीकृत या रजिस्टर्ड ऋणपत्र' से क्या आशय है?
5. 'वाहक ऋणपत्र' से आप क्या समझते हैं?
6. 'परिवर्तनीय ऋणपत्र' से क्या आशय है?
7. 'अपरिवर्तनीय ऋणपत्र' को समझाइए।
8. 'शोध्य या मोचनीय ऋणपत्र' से क्या तात्पर्य है?
9. 'अशोध्य या स्थायी ऋणपत्र' से क्या आशय है?
10. 'सुरक्षित या प्रतिभूत ऋणपत्र' से क्या आशय है?
11. 'असुरक्षित या नग्नऋण पत्र' को समझाइए।
12. 'एक समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित ऋणपत्र' का अर्थ बताइए।
13. प्रीमियम पर ऋण पत्र के निर्गमन से क्या आशय है?

लघुउत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 75) प्रत्येक प्रश्न 3 अंक

1. स्वामित्व के आधार पर ऋणपत्रों के प्रकारों को समझाइए।
   अथवा
   'पंजीकृत ऋणपत्र' एवं 'वाहक ऋणपत्र' को समझाइए।
2. शोधन के आधार पर ऋणपत्रों के प्रकारों को समझाइए ।
   अथवा
   शोध्य एवं अशोध्य ऋणपत्र से क्या आशय है?
3. सुरक्षा के आधार पर ऋणपत्रों के प्रकारों को समझाइए।
   अथवा
   सुरक्षित एवं असुरक्षित ऋणपत्र से क्या आशय है?
4. ऋणपत्रों की उपयोगिता लिखिए।
5. अंकुर लिमिटेड ने ₹50 वाले 4000 , 12% ऋणपत्र जारी किए। जिन पर ₹20 आवेदन एवं शेष राशि आवंटन पर देय है। ऋणपत्र की सभी राशियाँ यथा समय प्राप्त हो गई। अंकुर लिमिटेड की पुस्तकों में नकल प्रविष्टियाँ कीजिए।

6. X लिमिटेड ने 10,000 , 6% ऋणपत्र प्रत्येक ₹100 वाले निर्गमित किए। इन ऋणपत्रों पर समस्त राशि एकमुश्त प्राप्त हो गई। नकल प्रविष्टियाँ कीजिए।

7. अंकित लिमिटेड ने ₹100 वाले 10000 , 12% ऋणपत्र ₹10 प्रति ऋणपत्र प्रीमियम पर निर्गमित किए। आवेदन के समय सभी ऋणपत्रों की राशि प्रीमियम सहित प्राप्त हो गई। नकल प्रविष्टियाँ कीजिए।

8. अक्षय लिमिटेड ने ₹100 वाले 8000 , 10% ऋण पत्र 5% कटौती पर निर्गमित किए। सभी ऋणपत्रों की राशि एकमुश्त प्राप्त हो गई। आवश्यक पंजी प्रविष्टयाँ कीजिए।

9. A लिमिटेड ने B लिमिटेड से ₹240000 की संपत्ति एवं ₹25000 के दायित्व ₹220000 में क्रय किए। ए लिमिटेड ने क्रय प्रतिफल का भुगतान ₹100 वाले 10% ऋणपत्र निर्गमित करके किया। A लिमिटेड की पुस्तकों में आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।
10. ऋणपत्र से क्या आशय है? ऋणपत्रों की विशेषताएं लिखिए।
11. अंश एवं ऋणपत्र में अंतर स्पष्ट कीजिए।
12. अंशधारी एवं ऋणपत्रधारी में अंतर स्पष्ट कीजिए।
13. सुविधा लिमिटेड ने ₹100 वाले 2000 ऋणपत्र 10% प्रीमियम पर जारी किए। इन पर राशियाँ इस प्रकार देय थी- ₹20 आवेदन पर, ₹40 आवंटन पर (प्रीमियम सहित) एवं शेष राशि प्रथम एवं अंतिम याचना पर देय थी। सभी राशियाँ यथा समय प्राप्त हो गई। आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।
14. अनंत लिमिटेड ने ₹100 वाले 5000 , 12% ऋणपत्र 10% कटौती पर निर्गमित किए। इनका भुगतान इस प्रकार देय था- आवेदन पर ₹10 ,आवंटन पर ₹20 ,प्रथम याचना पर ₹40 और शेष अंतिम याचना पर। सभी राशियां यथा समय प्राप्त हो गई । अनंत लिमिटेड की पुस्तकों में आवश्यक नकल प्रविष्टियां कीजिए।
15. B लिमिटेड ने एक व्यवसाय ₹550000 में क्रय किया। क्रयमूल्य का भुगतान 12% ऋणपत्रों द्वारा किया गया और इस हेतु ₹500000 के ऋण पत्र 10% प्रीमियम पर निर्मित किए गए। B लिमिटेड की पुस्तकों में जनरल लेखे कीजिए।
16. X लिमिटेड ने Y लिमिटेड से ₹500000 की संपत्ति तथा ₹120000 के दायित्व ,₹320000 में लेने की सहमति दी। जिसका भुगतान ₹100 मूल्य वाले 15% ऋणपत्रों को जारी करके किया गया। X लिमिटेड की पुस्तकों में नकल प्रविष्टयाँ कीजिए।

___**___**

भाग 2 -इकाई-3, भाग 2 -इकाई-4

कंपनी के वित्तीय विवरण, वित्तीय विवरण का विश्लेषण

मा.शि.मंडल मध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार सत्र 2022-2023 में इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 8 अंक के प्रश्न पूछे जायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है –

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
5	-	1	-	8

कंपनी के वित्तीय विवरण

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिये–

(I) चिट्ठे को कहा जाता है –

(अ) संपत्ति विवरण (ब) दायित्व विवरण

(स) स्थिति विवरण (द) आय विवरण

(II) वार्षिक साधारण सभा में कंपनी के हिसाब किताब प्रस्तुत किये जाते हैं -

(अ) सचिव द्वारा (ब) संचालक मण्डल द्वारा

(स) अंकेक्षक द्वारा (द) प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी द्वारा

(III) कंपनी का चिट्ठा तैयार किया जाता है –

(अ) क्षैतिज प्रारूप में (ब) लंबवत प्रारूप में

(स) दोनों में (द) साझेदारी फर्म के चिट्ठे के प्रारूप में

(IV) कंपनी अधिनियम 2013 के अंतर्गत चिट्ठे की मदों को बांटा गया है-

(अ) दो वर्गों मे (ब) तीन वर्गों में

(स) पाँच वर्गों में (द) दस वर्गों में

(V) आर्थिक चिट्ठा व्यवसाय का .....दर्शाता है–

(अ) लाभ - हानि (ब) वित्तीय स्थिति

(स) लाभ - हानि तथा वित्तीय स्थिति (द) व्यवसाय में प्राप्त जोखिम

(VI) अंश धारियों की निधि में शामिल है –

(अ) समता अंश पूंजी

(ब) पूर्वाधिकार अंश पूंजी

(स) समता एवं पूर्वाधिकार अंश पूंजी

(द) समता अंश पूंजी, पूर्वाधिकार अंश ,पूंजी व संचय एवं आधिक्य

(VII) ख्याति को चिट्ठे में दर्शायेगे –

(अ) गैर चालू आस्तियां

(ब) चालू आस्तियां

(स) गैर चालू आस्तियां – मूर्त

(द) गैर चालू आस्तियां –अमूर्त

(VIII) आर्थिक चिट्ठे का प्रारूप कंपनी अधिनियम की किस सूची में वर्णित है-

(अ) अनुसूची – V

(ब) अनुसूची – III

(स) अनुसूची – II

(द) अनुसूची – I

(IX) निम्न मे से कौन सी संपत्तियां चालू आस्तियाँ नहीं है –

(अ) देनदार

(ब) स्टॉक

(स) पेटेण्ट

(द) प्राप्य बिल

(X) कंपनी के चिट्ठे में चालू दायित्व शीर्षक में किसे शामिल किया जाता है-

(अ) अल्पकालीन ऋण

(ब) ऋण पत्र

(स) सावधिक ऋण

(द) बाण्ड

(XI) अदत्त याचनाओं को घटाया जाता है –

(अ) आधिक्य पूंजी में से

(ब) निर्गमित पूंजी में से

(स) प्रार्थित पूंजी में से

(द) चुकता पूंजी मे से

(XII) पूंजी संचय को आर्थिक चिट्ठे में किस शीर्षक के अंतर्गत दर्शाया जाता है -

(अ) चालू दायित्व

(ब) विविध व्यय

(स) अंश पूंजी

(द) संचय एवं आधिक्य

(XIII) प्रारम्भिक व्यय चिट्ठे में निम्न शीर्षक के अधीन दर्शाया जाता है –

(अ) ऋण एवं अग्रिम

(ब) संचय एवं आधिक्य

(स) स्थायी संपत्तियाँ

(द) अन्य व्यय

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये –

(I) चिट्ठा किसी व्यावसायिक उपक्रम की वित्तीय स्थिति को किसी..... तिथि को प्रकट करता है।
(II) संपत्तियां सदैव समता एवं.....के बराबर होती है।
(III) कंपनी अधिनियम 2013 के अंतर्गत चिट्ठा.....प्रारूप में तैयार किया जाता है।
(IV) ख्याति एक प्रकार की.....और.....संपत्ति है।
(V) अंश पूंजी जिस प्रमुख शीर्षक में लिखी जाती है उसे.....कोष कहते हैं।
(VI) निर्गमित पूंजी कभी भी.....पूंजी से अधिक नहीं हो सकती है।
(VII) चालू दायित्वों का निपटारा.....के भीतर किया जाता है।
(VIII) .....पर लाभांश का भुगतान नहीं किया जाता है।
(IX) ब्याज व्यय को.....शीर्षक में दर्शायेगे।
(X) लेनदेन कंपनी के.....होते हैं।
(XI) ऋण पत्र ..... ऋण होते हैं ।
(XII) भुनाये गए विपत्रों का दायित्व.....है ।
(XIII) प्रतिभूति प्रीमियम संचय को.....शीर्षक में दिखाया जाता है ।

प्रश्न 3. सही जोड़ियाँ बनाइये –

A

	'अ'	'ब'
(I)	चिट्ठा तैयार किया जाता है	(अ) कुछ विशेष लेखांकन प्रथाओं के आधार पर
(II)	लाभ तथा हानि के विवरण में दर्शाया जाता है	(ब) समता तथा दायित्व के बराबर
(III)	संपत्ति सदैव बराबर होती है	(स) किसी तिथि विशेष पर

B

	'अ'	'ब'
(I)	व्यापारिक देयताएँ	(अ) स्थायी संपत्तियां
(II)	ऋण पत्र	(ब) संचय एवं आधिक्य
(III)	वाहन	(स) विविध लेनदार
(IV)	करों के लिए प्रावधान	(द) दीर्घकालीन ऋण
(V)	सामान्य संचय	(ई) चालू दायित्व

प्रश्न 4. सत्य / असत्य छांटिए–

(I) वित्तीय विवरण में लाभ - हानि विवरण और स्थिति विवरण दोनों को शामिल किया जाता है।
(II) वित्तीय विवरणों में व्यावसायिक उपक्रम के हिसाब - किताब का सारांश दर्शाया जाता है।
(III) कंपनी के चिट्ठे में अधिकृत पूंजी को दर्शाने की आवश्यकता नहीं होती है।
(IV) चालू कार्य को चल संपत्ति शीर्षक में दर्शाया जाता है।
(V) पेटेण्ड तथा व्यापार चिन्ह चालू संपत्तियां होती है।
(VI) आकस्मिक दायित्वों को दायित्व पक्ष के योग में सम्मिलित किया जाता है।
(VII) ऐसी संपत्तियां जो वर्ष के दौरान नगद राशि में परिवर्तित की जा सकती है चालू संपत्तियां कहलाती है।
(VIII) चालू दायित्वों का निपटारा 12 माह के अंदर किया जाता है।

(IX) सकल लाभ की राशि में वृद्धि लाभदायकता में वृद्धि को इंगित करती है।
(X) बिक्री में वृद्धि हुए बिना उत्पादन लागत में वृद्धि होने से लाभ की मात्रा बढ़ती है ।
(XI) ख्याति एक प्रकार की चल संपत्ति है।
(XII) फर्म का चिट्ठा स्थायित्व के क्रम में नहीं दर्शाया जाता है।
(XIII) वित्तीय विवरण विशेष लेखांकन प्रथाओ के आधार पर तैयार किए जाते हैं।
(XIV) चिट्ठा एक प्रकार का खाता होता है।
(XV) चिट्ठा को स्थिति विवरण भी कहते हैं।

प्रश्न 5. एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(I) कंपनी के लाभ को कौन से शीर्षक में दिखाया जाता है।
(II) कंपनी के लाभ - हानि खाते की मदों को कौन सी अनुसूची के अनुसार दर्शाया जाता है।
(III) कंपनी का स्थिति विवरण किस प्रारूप में तैयार किया जाता है।
(IV) रहतिया को चिट्ठे में किस शीर्षक के अंतर्गत दिखाया जाता है ।
(V) क्या कंपनी के चिट्ठे में पिछले वर्ष से संबंधित आंकड़ों का प्रदर्शन करना आवश्यक होता है?
(VI) कंपनी का चिट्ठा किस अधिनियम द्वारा शासित होता है किस शीर्षक में प्रस्तावित लाभांश दर्शाया जाता है।
(VII) किस शीर्षक में विकास संबंधी व्यय को दर्शाया जाता है।
(VIII) कंपनी की संपत्तियां किनके बराबर होती हैं।

लघुउत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 75) प्रत्येक प्रश्न 3 अंक

1. वित्तीय विवरण की 3 उपयोगिताएँ लिखिए।
2. वित्तीय विवरण की कोई 3 सीमाएँ लिखिए ।
3. गैर – चालू संपातियों में किन – किन संपातियों को शमिल किया जाता है?
4. वित्तीय विवरणों की सीमाओं का वर्णन कीजिए ।
5. कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची 3 के भाग I के अनुसार कंपनी के चिट्ठे के दायित्व पक्ष के मुख्य शीर्षक के नाम लिखिए ।
6. अधिकृत पूंजी तथा निर्गमित पूंजी का अर्थ समझाइये।
7. गैर चालू संपत्ति तथा गैर चालू दायित्व के दो - दो उदाहरण लिखिए।
8. रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य में किन – किन मदों को शामिल करते हैं।
9. वित्तीय विवरण की प्रकृति बताइए।
10. वित्तीय विवरणों की उपयोगिता लिखिए।
11. संचालन चक्र को समझाइए ।
12. वित्तीय विवरणों का निम्न के लिए महत्व बताइए –
    (I) अंशधारक
    (II) लेनदार
    (III) सरकार
13. वित्तीय विवरण अभिलेखित तथ्यो लेखांकन परिपाटियों तथा व्यक्तिगत निर्णयों के संयोजन को प्रतिबिंबित करते हैं । समझाइए ?
14. कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूचित 3 के भाग I के अंतर्गत चिट्ठे के अंशधारियों के कोष शीर्षक में क्या-क्या दर्शाया जाता है ?

15. एक कंपनी के तुलनपत्र में निम्नलिखित मदों को आप किस प्रकार दर्शाएँगे -
   (I) चालू परि संपत्तियां – रहितया
   (II) नोट पर टिप्पणी में दी गई आकस्मिक देयताएँ
   (III) अंश धारक निधि - संचय एवं आधिक्य
16. वित्तीय विवरणों के उद्देश्यों को समझाएये ।
17. वित्तीय विवरणों की विशेषताओं को समझाएये ।
18. कंपनी अधिनियम 2013 की अपेक्षाओं के अनुसार कंपनी के चिट्ठे का प्रारूप दीजिए ।
19. कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसार लाभ - हानि विवरण द्वारा प्रदर्शित सूचनाओं का संक्षेप में उल्लेख कीजिए ।

---**---**

वित्तीय विवरण का विश्लेषण

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिये-

(I) एक व्यावसायिक उद्यम के वित्तीय विवरण में सम्मिलित होते हैं-
   (अ) तुलन पत्र (ब) लाभ व हानि विवरण
   (स) रोकड़ प्रवाह विवरण (द) उपरोक्त सभी

(II) कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट को निर्गमित किया जाता है-
   (अ) संचालकों के लिए (ब) अंकेक्षको के लिए
   (स) अंशधारको के लिए (द) प्रबंध के लिए

(III) तुलन पत्र उद्यम की वित्तीय स्थिति संबंधी सूचनाएँ प्रस्तुत करता है-
   (अ) दी गई विशेष अवधि पर (ब) विशेष अवधि के दौरान
   (स) विशेष अवधि के लिए (द) उपरोक्त मे से कोई नही

(IV) निम्न वित्तीय विश्लेषण का कार्य नहीं है-
   (अ) अर्जन क्षमता का ज्ञान (ब) शोधन क्षमता का ज्ञान
   (स) लाभ-हानि का ज्ञान (द) वित्तीय सुदृढ़ता का ज्ञान

(V) एक व्यावसाय का उद्देश्य कुल मिलाकर होता है-
   (अ) विनियोजित कोष पर संतोष जनक प्रतिफल प्राप्त करना (ब) बिक्री बढ़ाना
   (स) संपत्तियों में वृद्धि करना (द) ख्याति अर्जित करना

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये –

(I) विश्लेषण का साधारण तात्पर्य.....आंकड़े हैं ।
(II) प्रतिपादन का तात्पर्य.....आंकड़े हैं ।
(III) एक संस्थान / कारोबार में धन की आवक एवं जावक की वास्तविक चाल को.....विश्लेषण भी कहते हैं ।
(IV) वित्तीय विश्लेषण का आशय वित्तीय विवरणों के विश्लेषण एवं.....से है।
(V) वित्तीय विवरणों का विश्लेषण व्यावसायिक उपक्रम के.....पहलू को मापने में सहायक नहीं होता है ।
(VI) वित्तीय विवरण.....तथ्यो एवं पिछली घटनाओं के रिकॉर्ड का प्रतिनिधित्व करते हैं ।

(VII) वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का प्रमुख उद्देश्य जटिल अंको को.....रूप मे प्रस्तुत करना होता है।

(VIII) वित्तीय विवरण से परिवर्तनों को.....एवं अनुपातों मे दिखाया जा सकता है।

प्रश्न 3. सत्य / असत्य छांटिए-

(I) व्यावसायिक उद्यम में वित्तीय विवरणों में रोकड़ प्रवाह विवरण सम्मिलित है।

(II) अनुपात विश्लेषण दो वित्तीय विवरणों में मध्य संबंध स्थापित करता है।

(III) अनुपात विश्लेषण किसी उद्यम के वित्तीय विवरणों के विश्लेषण हेतु एक तकनीक है।

(IV) वित्तीय विश्लेषण केवल लेनदारो द्वारा प्रयोग में लाए जाते हैं।

(V) वित्तीय विश्लेषण विश्लेषक को उपयुक्त निर्णय लेने में सहायक है।

(VI) रोकड़ प्रवाह विवरण वित्तीय विवरण विश्लेषण की एक तकनीक है।

(VII) गुणात्मक की अवहेलना वित्तीय विवरणों की एक कमी है।

(VIII) वित्तीय विवरण व्यावसाय की शोधन क्षमता के सूचक हैं।

लघुउत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 75) प्रत्येक प्रश्न 3 अंक

1. वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की विशेषताएं बताइए।
2. वित्तीय विवरण का महत्व बताइए।
3. वित्तीय विवरण विश्लेषण की तकनीको का संक्षेप मे वर्णन कीजिए।
4. लेनदारों एवं उपयोगकर्ताओं के लिए वित्तीय विश्लेषण का क्या महत्व है?
5. विवरणों के विश्लेषण के उद्देश्यों को विवेचना कीजिए।
6. वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का महत्व बताइए।
7. वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की सीमाओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

---**---**

भाग-2, इकाई-5

लेखांकन अनुपात

मा.शि.मंडल मध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार सत्र 2022-2023 में इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 4 अंक के प्रश्न पूछे जायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है –

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
2	1	-	-	4

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिये-

(I) तरल अनुपात जाना जाता है-

(अ) व्यय परीक्षण (ब) आय परीक्षण

(स) अम्ल परीक्षण (द) द्रव्य परीक्षण

(II) आदर्श चालू अनुपात है-

(अ) 1:1 (ब) 2:1

(स) 1:2 (द) 2:3

(III) आदर्श तरल अनुपात होना चाहिए-

(अ) 1:1 (ब) 2:1

(स) 3:2 (द) 1:2

(IV) दीर्घकालीन शोधन क्षमता ज्ञात करने के लिए किस अनुपात गणना की जाती है-

(अ) तरलता अनुपात (ब) क्रियाशीलता अनुपात

(स) लाभदायकता अनुपात (द) शोधन क्षमता अनुपात

(V) निम्नलिखित में से कौन-सी तरल संपत्ति है-

(अ) रहतिया (ब) देनदार

(स) ख्याति (द) फर्नीचर

(VI) सकल लाभ अनुपात में सकल लाभ का संबंध स्थापित करते है-

(अ) कार्यशील पूँजी से (ब) कुल पूँजी से

(स) शुद्ध विक्रय से (द) अंश पूँजी से

(VII) आदर्श ऋण समता अनुपात है-

(अ) 3:2 (ब) 1:2

(स) 1:1 (द) 2:1

(VIII) पूँजी आवर्त अनुपात संबंध स्थापित करता है-

(अ) विक्रय और विनियोजित पूँजी में (ब) शुद्ध विक्रय और नियोजित पूँजी में

(स) विक्रय और क्रय अनुपात में (द) इनमें से कोई नहीं

(IX) संचालन अनुपात है-

(अ) लाभदायकता अनुपात (ब) क्रियाशीलता अनुपात

(स) शोधन क्षमता अनुपात (द) तरलता अनुपात

(X) यदि चालू अनुपात 2:5 है और चालू दायित्व ₹25000 है,तो चालू संपत्ति की राशि होगी-

(अ) ₹10000 (ब) ₹12500

(स) ₹25000 (द) ₹30000

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये -

(I) दो पारस्परिक आँकड़ों के मध्य संबंध बताने को .....कहते हैं।

(II) लेखांकन अनुपात .....तथ्यों की अवहेलना करते हैं।

(III) स्वामित्व अनुपात स्वामित्व कोष और .....के बीच संबंध प्रदर्शित करता है।

(IV) तरलता से तात्पर्य परिसंपत्तियों को..... में परिवर्तित करने की सुगमता से है।

(V) ऋण समता अनुपात .....शोधन क्षमता की जांच करता है।

(VI) चालू अनुपात को..... पूँजी अनुपात भी कहा जाता है।

(VII) बेचे गए माल की लागत =.....- सकल लाभ

(VIII) .....अनुपात से अल्पकालीन वित्तीय स्थिति का पता चलता है।
(IX) आदर्श चल अनुपात .....माना जाता है।
(X) सकल लाभ अनुपात की गणना .....विक्रय पर की जाती है।

प्रश्न 3. सही जोड़ियाँ बनाइये –

A	'अ'		'ब'
(I)	स्वामित्व कोष	-	(अ) ऋण समता अनुपात
(II)	लेनदार	-	(ब) तरलता अनुपात
(III)	अल्पकालीन ऋण का भुगतान	-	(स) स्वामित्व अनुपात
(IV)	दीर्घकालीन ऋण का भुगतान	-	(द) चालू दायित्व
(V)	पूँजी और विक्रय का संबंध	-	(ई) कार्यशील पूँजी आवर्त अनुपात

B	'अ'		'ब'
(I)	आदर्श त्वरित अनुपात माना जाता है	-	(अ) संचालन अनुपात कहलाता है
(II)	आदर्श चल अनुपात माना जाता है	-	(ब) चल संपत्तियों तथा चालू दायित्व के बीच
(III)	कुल लागत तथा विक्रय में संबंध	-	(स) संकलन लाभ तथा शुद्ध बिक्री के बीच दर्शाने वाला अनुपात
(IV)	चल अनुपात में संबंध दर्शाया जाता है	-	(द) 1:1
(V)	सकल लाभ अनुपात में संबंध दर्शाया जाता है	-	(ई) 2:1

प्रश्न 4. सत्य / असत्य छांटिए-

(I) एक अनुपात मात्रात्मक एवं गुणात्मक, दोनों पहलू को दर्शाता है।
(II) अनुपात एक फर्म के विभिन्न लेखांकन अवधियों के परिणामों के साथ-साथ अन्य व्यवसायिक उद्यमों से तुलना में सहायता करते हैं।
(III) चालू अनुपात व्यवसाय की तरलता की माप करते हैं।
(IV) औसत वसूली अवधि में कमी देनदारों से शीघ्र वसूली को दर्शाता है।
(V) कार्यशील पूँजी का संबंध चालू संपत्तियों एवं चालू दायित्वों से है।
(VI) ऋण समता अनुपात अल्प अवधि की वित्तीय स्थिति की माप करता है।
(VII) स्टॉक में वृद्धि से तरल अनुपात में कमी होगी।
(VIII) तरलता अनुपात का संबंध संपत्तियों को नगद में परिवर्तित करने की क्षमता से है।
(IX) क्रियाशीलता अनुपात को आवर्त अनुपात भी कहा जाता है।
(X) आदर्श तरल अनुपात 2:1 होता है।

प्रश्न 5. एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(I) जिन दायित्वों का भुगतान 1 वर्ष के अंदर होता है, उन्हें क्या कहते हैं?
(II) किस अनुपात का संबंध तरल संपत्ति एवं चालू दायित्व से है?
(III) किस अनुपात का संबंध बेचे गए माल की लागत एवं औसत स्कंध से है?
(IV) उधार विक्रय की वसूली अवधि किस अनुपात के द्वारा प्रकट होती है?
(V) आदर्श चालू अनुपात क्या है?
(VI) आदर्श तरल अनुपात क्या है?
(VII) चालू अनुपात व्यवसाय की कौन-सी वित्तीय स्थिति को प्रकट करता है?
(VIII) शोधन क्षमता अनुपात से क्या ज्ञात किया जाता है?

(IX) कौन सी चालू संपत्तियों को तरल संपत्तियों में सम्मिलित नहीं किया जाता है?

(X) कुल लागत कुल विक्रय के बराबर कहाँ होती है?

अति लघुउत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 30) प्रत्येक प्रश्न 2 अंक

1. लेखांकन अनुपात से क्या आशय है?
2. चालू दायित्व में कौन-कौन सी मदें सम्मिलित की जाती है? किन्हीं चार के नाम लिखिए।
3. चालू अनुपात में 'चालू संपत्तियों' से क्या अभिप्राय है?
4. तरलता अनुपात को समझाइए।
5. किन्हीं चार चालू दायित्वों के नाम लिखिए।
6. शीघ्र संपत्ति से क्या आशय है?
7. त्वरित अनुपात क्या है?
8. ऋण समता अनुपात क्या दर्शाता है?
9. दीर्घकालीन ऋण से आप क्या समझते हैं ?कोई चार उदाहरण लिखिए।
10. बेचे गए माल की लागत किस प्रकार ज्ञात करते है?
11. औसत वसूली अवधि क्या है?
12. सकल लाभ अनुपात से क्या आशय है?
13. शुद्ध लाभ अनुपात से क्या आशय है?
14. संचालन व्यय से क्या आशय है? किन्ही चार संचालन व्ययों के नाम लिखिए।
15. तरलता अनुपात से क्या आशय है?
16. प्रमुख तरलता अनुपातों के नाम लिखिए।
17. चालू अनुपात से क्या आशय है? इसकी गणना कैसे की जाती है?
18. शोधन क्षमता अनुपात से क्या आशय है?
19. प्रमुख शोधन क्षमता अनुपातों के नाम लिखिए?
20. क्रियाशीलता अनुपात से क्या आशय है?
21. किन्हीं चार क्रियाशीलता अनुपातों के नाम लिखिए।
22. लाभदायकता अनुपात से क्या आशय है?
23. किन्हीं चार लाभदायकता अनुपातों के नाम लिखिए।
24. अंशधारी कोष किसे कहते है?
25. इसमें किन मदों को सम्मिलित किया जाता है?
26. ए लिमिटेड का तरल अनुपात 2:1 है। यदि स्टॉक ₹60000 और चालू दायित्व ₹150000 है तो चालू अनुपात की गणना कीजिए।
27. निम्न जानकारी से ऋण समता अनुपात की गणना कीजिए-
    कुल परिसंपत्तियाँ ₹1500000, चालू दायित्व ₹600000, कुल ऋण 1200000
28. लेखांकन अनुपात के उद्देश्य लिखिए।
29. अनुपात विश्लेषण का महत्व समझाइए।
30. लेखांकन अनुपातों की सीमाएं बताइए।
31. चालू अनुपात एवं तरल अनुपात में अंतर स्पष्ट कीजिए।
32. एक कंपनी का चालू अनुपात 3:5 है, कार्यशील पूँजी ₹90000 है। चालू संपत्ति और चालू दायित्व की गणना कीजिए।
33. एक कंपनी का तरल अनुपात 1:1 है।चालू संपत्तियाँ ₹100000 तथा चालू दायित्व ₹50000 है। स्टॉक का मूल्य ज्ञात कीजिए।
34. स्थाई संपत्ति आवर्त अनुपात क्या है?

35. चालू संपत्ति आवर्त अनुपात क्या है?

---****---

भाग 2- इकाई-6

"रोकड़ प्रवाह विवरण"

मा.शि.मंडल मध्य प्रदेश, भोपाल के ब्लूप्रिंट के अनुसार सत्र 2022-2023 में इस अध्याय से वार्षिक परीक्षा में कुल 8 अंक के प्रश्न पूछे जायेंगे जिसका विवरण इस प्रकार है –

अंकवार प्रश्नों की संख्या				कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक)	अति लघुउत्तरीय प्रश्न (2 अंक)	लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक)	विश्लेष्णात्मक प्रश्न (4 अंक)	
2	1	-	1	8

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिये-

(I) वित्तीय क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह का उदाहरण है -
(अ) लाभांश का भुगतान (ब) विनियोग पर प्राप्त लाभांश
(स) ग्राहकों से रोकड़ प्राप्त (द) स्थाई संपत्तियों का क्रय

(II) निवेश क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह का एक उदाहरण है -
(अ) ऋणपत्रों का निर्गमन (ब) दीर्घकालीन ऋण पत्रों का भुगतान
(स) कच्चे माल का नगद क्रय (द) गैर वित्तीय संस्थाओं द्वारा विनियोगों का विक्रय

(III) संचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह का एक उदाहरण है -
(अ) ऋणपत्रों का निर्गमन (ब) स्थाई संपत्तियों का विक्रय
(स) स्थाई जमा पर बैंक द्वारा दिया गया ब्याज (द) अंशों का निर्गमन

(IV) रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार करना एवं प्रस्तुत करना अनिवार्य है -
(अ) केवल निजी कंपनी के लिए (ब) केवल सार्वजनिक कंपनियों के लिए
(स) केवल विदेशी कंपनियों के लिए (द) समस्त सूचीबद्ध कंपनियों के लिए

(V) रोकड़ प्रवाह विवरण के संबंध में कौन सा लेखांकन प्रमाप है -
(अ) AS-3 (ब) AS-6
(स) AS-1 (द) AS-7

(VI) निम्नलिखित में कौन रोकड़ बहिर्वाह नहीं है -
(अ) लेनेदारों में वृद्धि (ब) स्कंध में वृद्धि
(स) पूर्वदत्त व्ययों में वृद्धि (द) इनमें से कोई नहीं

(VII) रोकड़ प्रवाह विवरण आधारित होता है-
(अ) लेखांकन के उपार्जन आधार पर (ब) लेखांकन के रोकड़ आधार पर

(स) अ और ब दोनों (द) इनमें से कोई नहीं

(VIII) निम्नलिखित में से कौन रोकड़ अंतर्वाह **नहीं** है –

(अ) देनदारों में कमी (ब) ऋण पत्रों का निर्गमन

(स) लेनदारों में कमी (द) इनमें से कोई नहीं

(IX) निम्न में से कौन एक गैर रोकड़ मद नहीं है –

(अ) नगद विक्रय (ब) ख्याति का अपलेखन

(स) ह्रास (द) अप्राप्त ऋण के लिए प्रावधान

(X) रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार किया जाता है–

(अ) अतिरिक्त सूचनाओं से (ब) लाभ अथवा हानि विवरण से

(स) आर्थिक चिट्ठे से (द) उक्त सभी से

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये –

(I) विनियोग संबंधी क्रिया का संबंध ..... संपत्ति से होता है।

(II) संचालन क्रियाएं व्यवसायिक उपक्रम की क्रियाएं ..... मानी जाती हैं।

(III) लेखांकन क्रमांक 3 के अनुसार रोकड़ क्रियाओं को ..... भाग में बांटा गया है।

(IV) गैर रोकड़ व्यावहार से लाभ घटता है किंतु ..... कम नहीं होती है।

(V) रोकड़ वहाव विवरण रोकड़ तथा रोकड़ तुल्य में .....परिवर्तन को दर्शाता है ।

(VI) वर्ष के अंत में व्ययो का अग्रिम भुगतान किया गया है जिसे वर्ष में अर्जित लाभ के साथ ..... जाता है।

(VII) 1 वर्ष के दौरान उपार्जित आय को शुद्ध लाभ के साथ ..... जाता है।

(VIII) संचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह की गणना हेतु ख्याति का अपलेखन वर्ष के दौरान लाभ में ..... जाता है।

(IX) संचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह की गणना संदिग्ध ऋण के प्रवधान के लिए वर्ष के दौरान लाभ में ..... जाता है।

प्रश्न 3. सही जोड़ियाँ बनाइये –

A	'अ'		'ब'
(I)	स्थाई संपत्तियों का विक्रय पर लाभ	(अ)	रोकड़ तुल्य
(II)	संचालन क्रियाओं मे शामिल है	(ब)	स्वामी की पूंजी तथा व्यवसाय के ऋण के आकार एवं संरचना में परिवर्तन
(III)	विनियोग संबंधी क्रियाओं में शामिल हैं	(स)	गैर संचालन आय
(IV)	वित्तीय क्रियाओं का परिणाम होता है	(द)	दीर्घकालीन संपत्तियों या स्थाई संपत्तियों का क्रय – विक्रय
(V)	रोकड़ बैंक में	(ई)	आय अर्जित करने वाली मुख्य क्रियाएं

B 'अ' 'ब'

A	B
(I) स्थाई संपत्तियों में वृद्धि	(अ) रोकड़ प्रवाह विवरण
(II) वार्षिक ह्रास	(ब) वित्तीय क्रिया
(III) भारतीय लेखांकन मानक 3	(स) निवेश या विनियोग क्रिया
(IV) अंश पूंजी में कमी	(द) रोकड़ का प्रयोग
(V) लेनेदारों में कमी	(ई) गैर नगद मद
(VI) संचालन क्रिया	(फ) ख्याति
(VII) अल्पकालीन विनियोग	(ज) रोकड़ प्रवाह
(VIII) अमूर्त संपत्ति	(झ) शीघ्र रोकड़ में परिवर्तन योग्य

प्रश्न 4. सत्य / असत्य छांटिए-

(I) आयकर का भुगतान एक संचालन क्रिया है।
(II) अपलिखित की गई ख्याति विनियोग क्रियाओं में दर्शाते हैं।
(III) मूल्य ह्रास एक रोकड़ मद है।
(IV) लाभांश का भुगतान एक वित्तीय क्रिया है।
(V) अंशो के निर्गमन से रोकड़ का बहिर्वाह होता है।
(VI) चालू दायित्वों का रोकड़ का स्रोत है।
(VII) रोकड़ प्रवाह विवरण लेखांकन के उपार्जित आधार पर आधारित होता है।
(VIII) देनदारों के भुगतान करने पर रोकड़ में कमी होती है।
(IX) ऋणपत्रों पर ब्याज भुगतान को 'संचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह' के अंतर्गत दिखाया जाता है।
(X) स्कंध के मूल्य में वृद्धि से रोकड़ में कमी होती है।

प्रश्न 5. एक शब्द / वाक्य में उत्तर दीजिए-

(I) क्या किसी अवधि के दौरान रोकड़ का कुल प्रवाह ऋणात्मक हो सकता है?
(II) ऋणपत्रों के निर्गमन का संबंध किस क्रिया से होता है?
(III) ग्राहकों से प्राप्त रोकड़ कौन सी क्रियाओं का रोकड़ प्रवाह है?
(IV) भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान द्वारा रोकड़ बहाव विवरण के संबंध में कौन सा लेखांकन मानक जारी किया गया है?
(V) रोकड़ प्रवाह विवरण में रोकड़ शब्द से क्या आशय है?
(VI) रोकड़ प्रवाह विवरण रोकड़ प्रवाहों का वर्गीकरण कितनी क्रियाओं में करता है?
(VII) रोकड़ प्रवाह कब उत्पन्न होता है?
(VIII) अंश धारियों को लाभांश का भुगतान कौन सी क्रिया होगी?
(IX) रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार करते समय कमीशन तथा रॉयल्टी की प्राप्ति किस प्रकार की गतिविधि होगी?
(X) आयकर की वापसी किस क्रिया में आती है?

अति लघुउत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 30) प्रत्येक प्रश्न 2 अंक

1. रोकड़ बहाव विवरण क्या है?
2. रोकड़ तुल्य से क्या आशय है?
3. परिचालन क्रियाओं से क्या आशय है?
4. विनियोजन क्रियाएं किन्हें कहते हैं?
5. वित्तीय क्रियाओं से क्या आशय है?
6. कोष प्रवाह विवरण क्या है?
7. उस लेखांकन मानक का नाम बताएं जो रोकड़ प्रवाह विवरण के निर्माण को शासित करते हैं?
8. रोकड़ अंतर्वाह से क्या आशय है?
9. रोकड़ बहिर्वाह है से क्या आशय है?
10. रोकड़ प्रवाह विवरण की गणना की कितनी विधियां हैं?
11. रोकड़ तुल्य मान क्या है?
12. संचालन संबंधी क्रियाओं से रोकड़ अंतर्वाह या स्रोतों के दो उदाहरण दीजिए।
13. रोकड़ प्रवाह विवरण और आय विवरण में कोई दो अंतर लिखिए।
14. रोकड़ प्रवाह कब उत्पन्न होता है?
15. बताइए कि बैंक में जमा की गई रोकड़ रोकड़ का अंतर्वाह होगा, बहिर्वाह होगा या कोई प्रभाव नहीं होगा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 120) प्रत्येक प्रश्न 4 अंक

1. संचालन से रोकड़ और शुद्ध लाभ में क्या अंतर है?
2. रोकड़ प्रवाह विवरण की सीमाओं को बताइए।
3. रोकड़ प्रवाह विवरण के निर्माण में कौन-कौन से कदम उठाए जाते हैं?
4. रोकड़ प्रवाह विवरण को तैयार करने के उद्देश्य क्या है?
5. रोकड़ प्रवाह विवरण के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
6. प्रत्यक्ष विधि के अंतर्गत संचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह की गणना किस प्रकार की जाती है?
7. रोकड़ प्रवाह विवरण के कोई तीन उपयोग लिखिए।
8. संचालन संबंधी क्रियाओं से रोकड़ बहिर्वाह के उदाहरण दीजिए।
9. रोकड़ प्रवाह विवरण के कौन-कौन से स्रोत हैं?
10. रोकड़ प्रवाह विवरण किस प्रकार तैयार किया जाता है?
11. रोकड़ प्रवाह विवरण में कौन सी सूचनाएं प्रदर्शित की जाती हैं?
12. संचालन क्रियाओं तथा वित्तीय क्रियाओं में अंतर लिखिए।
13. रोकड़ प्रवाह एवं रोकड़ बजट में अंतर लिखिए।
14. रोकड़ बहाव विवरण क्या है ? इसे तैयार करने के उद्देश्य बताईये।
15. रोकड़ प्रवाह विवरण बनाने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए?
16. संचालन क्रियाकलापों से रोकड़ की गणना किस प्रकार की जाती है?
17. संचालन से कोष और रोकड़ प्रवाह विवरण में क्या अंतर है?
18. रोकड़ प्रवाह विवरण के कौन-कौन से स्रोत हैं?
19. रोकड़ प्रवाह विवरण एवं आय विवरण में अंतर लिखिए।

20. निम्न सूचनाओं से संचालन संबंधी क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह ज्ञात कीजिए-

विवरण	31 मार्च 2019 ₹	31 मार्च 2020 ₹
लाभ हानि खाता	120000	180000
प्राप्य विपत्र	80000	108000
मूल्य ह्रास आयोजन	180000	192000
देय किराया	9600	24000
पूर्व दत्त बीमा	8400	7200
ख्याति	120000	96000
देनदार	80000	108000

21. निम्न सूचनाओं से संचालन क्रियाओं से प्रत्यक्ष विधि द्वारा रोकड़ प्रवाह की गणना कीजिए -

विवरण	रकम ₹
देनदारों से प्राप्त रोकड़	45000
नगद विक्रय	50000
लेनदार ओं को भुगतान	20000
नगद किराए	35000
वेतन का भुगतान	12000
कमीशन प्राप्त	20000
किराया चुकाया गया	5000
प्रशासनिक व्यय का भुगतान	4000
स्कंध की हानि पर बीमा दावा	50000
आयकर का भुगतान	23000
कर वापसी	3000

---****---

नोट- यद्यपि प्रश्न बैंक के निर्माण में पूर्ण सावधानी रखी गयी है ,परन्तु हटाये गए पाठ्यक्रम का कोई प्रश्न प्रश्नबैंक में शामिल हो तो वह सत्र गत परीक्षाओं में नहीं पूछा जायेगा , अतः उन प्रश्नों को विषय शिक्षक हटवा दें । इसी तरह उत्तर माला तैयार करने में भी पूर्ण सावधानी रखी गयी है ,संशय की स्थिति में विषय शिक्षक उत्तर को ठीक कर विद्यार्थियों को अवगत कराएँ ।रिक्त स्थान एवं एक शब्द/ एक वाक्य के प्रश्नों के एक से अधिक सही उत्तर हो सकते हैं ,अत: ऐसे प्रश्नों के संभावित अन्य उत्तर भी विद्यार्थियों को बताएं ।

उत्तर माला

भाग 1 -इकाई-2

साझेदारी लेखे सामान्य

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिये-

(I) (ब) दो व्यक्ति
(II) (स) कोई व्यक्ति
(III) (द) लाभों को बाँटना
(IV) (द) 1932 में
(V) (स) समान अनुपात में
(VI) (अ) 6 माह
(VII) (द) लाभ-हानि वितरण खाता
(VIII) (स) फर्म की आय
(IX) (द) किसी भी दर से नहीं
(X) (स) समान अनुपात में

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये –

(I) सम्बन्ध
(II) चालू
(III) हानि
(IV) 6% वार्षिक
(V) 1932
(VI) साझेदारों के चालू खाते
(VII) बदलता
(VIII) लाभ-हानि वितरण खाता
(IX) अनुबंध
(X) असीमित

प्रश्न 3. सही जोड़ियाँ बनाइये –

(I) (त) भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932 के प्रावधान लागू होते हैं
(II) (अ) केवल व्यक्ति की
(III) (ण) अनुबंध करने की क्षमता होना अनिवार्य है
(IV) (ब) अनिवार्य
(V) (ज) साझेदारों के वेतन, बोनस, कमीशन, लाभ, ब्याज, आहरण आदि का
(VI) (स) फर्म को लाभ हुआ हो
(VII) (द) संयुक्त तथा पृथक-पृथक दोनों प्रकार
(VIII) (ई) एजेन्ट होता है
(IX) (फ) परिवर्तनशील पूंजी पद्धति में बनाये जाते है

प्रश्न 4. सत्य / असत्य छांटिए–

(I) असत्य
(II) असत्य
(III) सत्य
(IV) सत्य
(V) सत्य
(VI) सत्य
(VII) असत्य
(VIII) सत्य
(IX) सत्य
(X) असत्य

प्रश्न 5. एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(I) साझेदारों के पूंजी खातों में
(II) भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932
(III) स्थिर पूंजी पद्धति में
(IV) फर्म को लाभ होने की दशा में
(V) केवल व्यक्ति
(VI) प्रत्येक साझेदार
(VII) हाँ
(VIII) लाभ की गांरटी
(IX) 6% प्रत्येक वर्ष
(X) सार्थ(फर्म)

भाग -1 इकाई– 3

साझेदारी फर्म का पुनर्गठन-साझेदार का प्रवेश

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिये–

(I) (ब) एक स्थाई सम्पत्ति
(II) (ब) नफे वाला साझेदार
(III) (स) पूंजी खाते के डेबिट पक्ष में

(IV) (स) पुराने लाभ हानि अनुपात में
(V) (अ) भावी लाभों में हिस्सा पाने के लिए
(VI) (स) अधिलाभ
(VII) (ब) नए साझेदार के पूंजी खाते में
(VIII) (अ) पूर्व अनुपात में
(IX) (स) त्यागी साझेदार के लाभानुपात में कमी
(X) (ब) नए साझेदार के प्रवेश पर
(XI) (स) पूंजी खाते में
(XII) (द) पुराने साझेदारों के पूंजी खाते में

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये –

(I) अमूर्त/स्थाई
(II) सहायक
(III) ह्रास
(IV) विक्रय
(V) अधि
(VI) विनियोजित
(VII) पुनर्गठन
(VIII) त्याग अनुपात
(IX) लाभ प्राप्ति अनुपात
(X) नये
(XI) लाभ
(XII) लाभ प्राप्ति अनुपात

प्रश्न 3. सही जोड़ियाँ बनाइये –

A

(I) (द) विक्रय योग सम्पत्ति
(II) (अ) पूंजी खाते के डेबिट पक्ष में
(III) (फ) साझेदारी ठहराव में परिवर्तन
(IV) (ब) लेखांकन प्रमाप 26
(V) (स) पूंजी खाते के क्रेडिट पक्ष में
(VI) (ई) अमूर्त सम्पत्ति है

B

(I) (द) लाभ प्राप्ति अनुपात
(II) (ई) विनियोजित पूंजी

(III) (फ) पुनर्मूल्यांकन खाता क्रेडिट
(IV) (अ) पुनर्मूल्यांकन खाता डेबिट
(V) (ब) नए साझेदार के प्रवेश पर
(VI) (स) ख्याति का मूल्यांकन

प्रश्न 4. सत्य / असत्य छांटिए-

(I) असत्य
(II) सत्य
(III) असत्य
(IV) सत्य
(V) असत्य
(VI) सत्य
(VII) असत्य
(VIII) असत्य
(IX) सत्य
(X) असत्य
(XI) असत्य
(XII) सत्य

प्रश्न 5. एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(I) त्याग अनुपात
(II) ख्याति प्रीमियम खाते में
(III) ख्याति के लेखांकन से
(IV) लाभ होने पर
(V) लाभ
(VI) स्वनिर्मित
(VII) अधिलाभ
(VIII) अमूर्त संपत्ति
(IX) पुनर्मूल्यांकन
(X) नाममात्र
(XI) ख्याति की राशि बांटने के लिए
(XII) क्रेडिट पक्ष में

साझेदार की निवृत्ति एवं मृत्यु

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिये-

(I) (स) लाभ का अनुपात
(II) (ब) 6 प्रतिशत
(III) (द) उपरोक्त सभी
(IV) (द) कर्मचारियों का बचत खाता
(V) (द) उपरोक्त सभी
(VI) (ब) दो
(VII) (द) देय राशि के विपत्र स्वीकार करना
(VIII) (द) संचय का भाग
(IX) (अ) संचय खाते को Dr.
(X) (अ) समस्त साझेदारों के पूँजी खाते नामे
(XI) (अ) साझेदार का ऋण खाता
(XII) (द) उपरोक्त सभी
(XIII) (अ) लाभ हानि खाता के नाम
(XIV) (अ) मूल्य ह्रास कोष
(XV) (अ) पूँजी खाते में
(XVI) (अ) ब्याज की प्रविष्टि की जाती है
(XVII) (अ) वार्षिक उचंत खाता
(XVIII) (अ) बीमित मूल्य का होता है
(XIX) (स) 4 : 5
(XX) (अ) 7 : 8
(XXI) . (द) 2:1
(XXII) (अ) 3 : 4

प्रश्न2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(I) साझेदारों के
(II) वृद्धि
(III) डेबिट
(IV) लाभ प्राप्ति अनुपात में, डेबिट

प्रश्न 3. सही जोड़ियाँ बनाइये –

(I) (स) निवर्तन
(II) (द) लाभ प्राप्ति का अनुपात
(III) (ब) मृत साझेदार का उत्तराधिकारी
(IV) (अ) साझेदार की मृत्यु पर

प्रश्न 4. सत्य / असत्य छांटिए-

(I) असत्य
(II) सत्य
(III) असत्य
(IV) असत्य
(V) असत्य
(VI) असत्य
(VII) सत्य

प्रश्न 5. एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(I) लाभ प्राप्ति अनुपात
(II) साझेदार का अवकाश ग्रहण करना
(III) उसके वैधानिक उत्तराधिकारी को
(IV) अस्वस्थता/वृद्धावस्था
(V) वार्षिकी उचंत खाता
(VI) ख्याति का मूल्यांकन
(VII) वह राशि जिस पर बीमा कराया गया हो
(VIII) बीमित मूल्य का हिस्सा
(IX) बीमा की 1वर्ष में देय राशि
(X) मूल्य ह्रास कोष
(XI) सामान्य संचय

भाग 1 – इकाई-5

साझेदारी फर्म का विघटन

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिये-

(I) (ब) नाममात्र का खाता
(II) (स) फर्म के विघटन पर
(III) (द) रोकड़ खाते में
(IV) (अ) वसूली खाता
(V) (द) कोई एक साझेदार दिवालिया हो जाए
(VI) (अ) पुस्तकीय मूल्य पर
(VII) (अ) वसूली खाते में
(VIII) (ब) वसूली खाते में
(IX) (स) बैंक अधिविकर्ष
(X) (द) रोकड़ व बैंक शेष
(XI) (ब) पूर्ण भुगतान होगा

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये –

(i) एक बार
(ii) नाममात्र / अवास्तविक
(iii) वसूली
(iv) पुस्तकीय
(v) सभी
(vi) व्यापार
(vii) बाहरी
(viii) अनिवार्य
(ix) आकस्मिक / संयोगिक
(x) नाम
(xi) अनिवार्य
(xii) आकस्मिक / संयोगिक
(xiii) बंद

प्रश्न 3. सही जोड़ियाँ बनाइये –

A

(I) (ई) अनिवार्य विघटन
(II) (स) संयोग द्वारा विघटन
(III) (द) फर्म के जीवनकाल में एक बार बनाते हैं
(IV) (अ) वसूली खाते में अंतरित करते हैं
(V) (ब) वसूली खाते में अंतरित नहीं करते हैं

B

(I) (द) वसूली खाते के नाम (डेबिट) पक्ष में
(II) (ई) बाहरी दायित्व
(III) (अ) नाममात्र का खाता
(IV) (ब) साझेदारों के पूंजी खाते में करते हैं
(V) (स) अनिवार्य विघटन

प्रश्न 4. सत्य / असत्य छांटिए–

(I) असत्य
(II) असत्य
(III) सत्य
(IV) असत्य
(V) सत्य
(VI) असत्य
(VII) असत्य
(VIII) सत्य
(IX) असत्य
(X) सत्य

प्रश्न 5. एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(i) फ़र्म के समापन पर
(ii) पुस्तकीय मूल्य पर
(iii) वसूली खाता
(iv) सभी साझेदारों का दिवालिया होना
(v) रोकड़ खाते में
(vi) कोई एक साझेदार का दिवालिया होना
(vii) एक बार
(viii) वसूली खाते में
(ix) वसूली खाता
(XIII) नाममात्र / अवास्तविक

भाग 2 -इकाई-1

कम्पनी लेखे – अंश पूंजी के लिए लेखांकन

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिये–

(I) (अ) निर्गमित पूंजी
(II) (ब) अंश हरण खातें में
(III) (स) अंश हरण राशि के बराबर
(IV) (ब) समता अंशधारी
(V) (ब) समता अंशधारी
(VI) (ब) कम्पनी के स्वामी
(VII) (ब) लाभांश
(VIII) (ब) 200
(IX) (द) पूंजीगत संचय खाते में
(X) (ब) समता अंश
(XI) (ब) पूर्वाधिकार अंश
(XII) (स) अधिकृत पूंजी
(XIII) (ब) अति अभिदान
(XIV) (स) समता एवं पूर्वाधिकार अंश
(XV) (अ) व्यक्तिगत खाता
(XVI) (स) 7 और असीमित
(XVII) (स) 14 दिन का
(XVIII) (ब) 14 दिन
(XIX) (द) प्रविवरण

(XX) (द) संचित पूंजी
(XXI) (ब) 10% वार्षिक
(XXII) (अ) पूंजीगत लाभ

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये –

(I) समता
(II) पूर्वाधिकार
(III) समता अंशधारी
(IV) अति अभिदान
(V) प्रीमियम
(VI) बट्टे पर
(VII) कृत्रिम व्यक्ति
(VIII) समता एवं दायित्व
(IX) पूर्वाधिकार अंश
(X) पूंजीगत
(XI) अंकित, अंकित
(XII) प्रीमियम
(XIII) अंश हरण
(XIV) 12% वार्षिक
(XV) दो
(XVI) व्यक्तिगत खाता
(XVII) कम्पनी के कार्यक्षेत्र
(XVIII) शोधन

प्रश्न 3. सही जोड़ियाँ बनाइये –

A

(I) (स) अल्प अभिदान
(II) (अ) अदत्त याचना
(III) (द) कंपनी का समापन
(IV) (इ) अंश हरण खाते
(V) (ब) पूंजीगत संचय

B

(I) (द) आनुपातिक आवंटन
(II) (स) पूर्वाधिकार अंश
(III) (ब) कंपनी के स्वामी
(IV) (अ) पूंजी वापसी की प्राथमिकता
(V) (फ) कंपनी की आधारशिला
(VI) (इ) रजिस्टर्ड पूंजी

C

(I) (स) कंपनी के समापन पर
(II) (द) समता अंश
(III) (अ) समता अंशधारी
(IV) (इ) पूर्वाधिकार अंशधारी
(V) (ब) अति अभिदान

प्रश्न 4. सत्य / असत्य छांटिए-

(I) असत्य
(II) सत्य
(III) असत्य
(IV) असत्य
(V) सत्य
(VI) असत्य
(VII) सत्य
(VIII) असत्य
(IX) सत्य
(X) असत्य
(XI) सत्य
(XII) सत्य
(XIII) सत्य
(XIV) सत्य
(XV) असत्य

प्रश्न 5. एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(I) अल्प अभिदान
(II) प्रर्वतक
(III) ख्याति
(IV) प्रीमियम पर निर्गमन
(V) बट्टे पर निर्गमन
(VI) सममूल्य पर निर्गमन
(VII) प्रीमियम
(VIII) अंश प्रमाण पत्र

भाग 2- इकाई-2

उपखंड-1 ऋणपत्रों का निर्गमन

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिये-

(I) (अ) पूँजीगत हानि
(II) (ब) 6 माह
(III) (ब) लेनदार
(IV) (अ) वाहक ऋणपत्र
(V) (ब) ब्याज
(VI) (अ) निश्चित
(VII) (स) रिजर्व तथा आधिक्य में
(VIII) (द) उपर्युक्त सभी
(IX) (अ) 25%
(X) (ब) अपने निदेशकों को आवंटित करती है
(XI) (स) पांच

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये –

(I) प्रबंध
(II) प्रमाण
(III) परिवर्तनशील
(IV) लेनदार
(V) मत
(VI) अंशधारियों
(VII) संपत्ति
(VIII) विमोचनशील
(IX) ख्याति
(X) ऋणपत्र

प्रश्न 3. सही जोड़ियाँ बनाइये –

(I) (स) कंपनी के ऋणदाता
(II) (द) पूँजीगत लाभ
(III) (अ) कृत्रिम संपत्ति
(IV) (ई) पूँजीगत प्राप्ति
(V) (ब) 10%

प्रश्न 4. सत्य / असत्य छांटिए-

(I) सत्य
(II) असत्य
(III) असत्य
(IV) असत्य
(V) असत्य

(VI) सत्य
(VII) सत्य
(VIII) असत्य
(IX) सत्य
(X) सत्य
(XI) सत्य
(XII) असत्य

प्रश्न 5. एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(I) ऋणपत्र
(II) परिवर्तनशील ऋणपत्र
(III) ब्याज
(IV) अशोध्य ऋणपत्र
(V) वाहक ऋणपत्र
(VI) 25%
(VII) बॉन्ड
(VIII) पंजीकृत या रजिस्टर्ड ऋणपत्र
(IX) लेनदार
(X) नहीं

भाग 2 -इकाई-3

कंपनी के वित्तीय विवरण

प्रश्न 1 सही विकल्प चुनिए –
(I) (स) स्थिति विवरण
(II) (ब) संचालक मंडल द्वारा
(III) (ब) लम्बवत प्रारूप में
(IV) (अ) दो वर्गों में
(V) (ब) वित्तीय स्थिति
(VI) (द) समता अंश पूंजी, पूर्वाधिकार अंशपूंजी व संचय एवं आधिक्य
(VII) (द) गैर चालू आस्तियाँ – अमूर्त
(VIII) (ब) अनुसूची III
(IX) (स) पेटेंड
(X) (अ) अल्पकालीन ऋण
(XI) (स) प्रार्थित पूंजी में से
(XII) (द) संचय एवं आधिक्य
(XIII) (ब) संचय एवं आधिक्य

प्रश्न 2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये -

(I) विशेष
(II) दायित्व
(III) लम्बवत
(IV) स्थायी और अमूर्त या अदृश्य और अमूर्त
(V) अंशधारियों के
(VI) अधिकृत
(VII) 12 माह
(VIII) अंश अधिपत्र
(IX) वित्तीय लागत
(X) चालू दायित्व
(XI) दीर्घकालीन
(XII) सम्भाव्य / आकस्मिक दायित्व
(XIII) संचय एवं आधिक्य

प्रश्न 3 **सही जोड़ियाँ बनाइये -**

A

(I) (स) किसी विशेष तिथि पर
(II) (अ) कुछ विशेष लेखांकन प्रथाओं के आधार पर
(III) (ब) समता तथा दायित्व के बराबर

B

(I) (स) विविध लेनदार
(II) (द) दीर्घकालीन ऋण
(III) (अ) स्थाई संपत्तियां
(IV) (ई) चालू दायित्व
(V) (ब) संचय एवं आधिक्य

प्रश्न 4 **सत्य / असत्य छांटिए-**

(I) सत्य
(II सत्य
(II असत्य
(IV सत्य
(V) असत्य
(VI असत्य
(VI सत्य
(VI सत्य
(IX सत्य
(X) असत्य
(XI असत्य
(XI असत्य
(XI सत्य
(XI' असत्य
(XV सत्य

प्रश्न 5 **एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –**

(I) संचय एवं आधिक्य
(II अनुसूची III भाग II
(II लम्बवत प्रारूप
(IV चालू संपत्तियां III भाग – IV
(V) हाँ
(VI कंपनी अधिनियम 2013
(VI गैर – चालू संपत्तियां शीर्षक में
(VI समता एवं दायित्व के योग के

भाग 2 -इकाई-4

वित्तीय विवरण का विश्लेषण

प्रश्न 1 सही विकल्प चुनिए –

(I) (द) उपरोक्त सभी
(II) (स) अंशधारकों के लिए
(III) (अ) दी गई विशेष अवधि पर
(IV) (स) लाभ – हानि का ज्ञान
(V) (अ) विनियोजित कोष पर संतोषजनक प्रतिफल प्राप्त करना ।

प्रश्न 2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये –

(I) सरलीकृत
(II) वर्णित
(III) रोकड़ प्रवाह
(IV) निर्वचन
(V) गुणात्मक
(VI) ऐतिहासिक
(VII) सरल
(VIII) प्रतिशत

प्रश्न 3 **सत्य / असत्य छांटिए–**

(I) सत्य
(II) सत्य
(III) सत्य
(IV) असत्य
(V) सत्य
(VI) सत्य
(VII) सत्य
(VIII) सत्य

भाग-2, इकाई-5

लेखांकन अनुपात

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिये-

(I) (स) अम्ल परीक्षण
(II) (स) 1:2
(III) (अ) 1:1
(IV) (द) शोधन क्षमता अनुपात
(V) (ब) देनदार
(VI) (स) शुद्ध विक्रय
(VII) (स) 1:1
(VIII) (ब) शुद्ध विक्रय और नियोजित पूँजी में
(IX) (अ) लाभदायकता अनुपात
(X) (अ) ₹10000

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये –

(I) अनुपात
(II) गुणात्मक
(III) कुल संपत्ति
(IV) रोकड़
(V) दीर्घकालीन
(VI) कार्यशील
(VII) शुद्ध विक्रय
(VIII) चालू
(IX) 2:1
(X) शुद्ध

प्रश्न 3. सही जोड़ियाँ बनाइये –

A

(I) (स) स्वामित्व अनुपात
(II) (द) चालू दायित्व
(III) (ब) तरलता अनुपात
(IV) (अ) ऋण समता अनुपात
(V) (ई) कार्यशील पूँजी आवर्त अनुपात

(B)

(I) (द) 1:1
(II) (ई) 2:1
(III) (अ) संचालन अनुपात
(IV) (ब) चल संपत्तियों तथा चल दायित्वों के बीच
(V) (स) सकल लाभ तथा बिक्री के बीच

प्रश्न 4. सत्य / असत्य छांटिए-

(I) असत्य
(II) सत्य
(III) असत्य
(IV) सत्य
(V) सत्य
(VI) असत्य
(VII) असत्य
(VIII) सत्य
(IX) सत्य
(X) असत्य

प्रश्न 5. एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(I) चालू दायित्व
(II) तरल अनुपात
(III) स्कंध आवर्त अनुपात
(IV) औसत वसूली अवधि
(V) 2:1
(VI) 1:1
(VII) अल्पकालीन वित्तीय सुदृढ़ता
(VIII) बाहरी दायित्व भुगतान की क्षमता
(IX) स्टॉक एवं पूर्वदत्त व्यय
(X) समविच्छेद बिंदु

भाग 2- इकाई-6

"रोकड़ प्रवाह विवरण"

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिये-

(I) लाभांश का भुगतान
(II) (द) गैर वित्तीय संस्थाओं द्वारा विनियोगों का विक्रय
(III) (स) स्थाई जमा पर बैंक द्वारा दिया गया ब्याज
(IV) (द) समस्त सूचीबद्ध कंपनियों के लिए
(V) (अ) AS-3
(VI) (अ) लेनेदारों में वृद्धि
(VII) (ब) लेखांकन के रोकड़ आधार पर
(VIII) (स) लेनदारों में कमी
(IX) (अ) नगद विक्रय
(X) (द) उक्त सभी से

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये –

(I) स्थायी
(II) प्रमुख
(III) 3
(IV) रोकड़

(V) ऐतिहासिक
(VI) घटाया जाता है
(VII) घटाया जाता है
(VIII) जोड़ा
(IX) जोड़ा

प्रश्न 3. सही जोड़ियाँ बनाइये –

A

(I) (स) गैर संचालन आय
(II) (ई) आय अर्जित करने वाली मुख्य क्रियाएं
(III) (द) दीर्घकालीन संपत्तियों या स्थाई संपत्तियों का क्रय – विक्रय
(IV) (ब) स्वामी की पूंजी तथा व्यवसाय के ऋण के आकार एवं संरचना में परिवर्तन
(V) (अ) रोकड़ तुल्य

B

(I) (स) निवेश या विनियोग क्रिया
(II) (ई) गैर नगद मद
(III) (अ) रोकड़ प्रवाह विवरण
(IV) (ब) वित्तीय क्रिया
(V) (द) रोकड़ का प्रयोग
(VI) (ज) रोकड़ प्रवाह
(VII) (झ) शीघ्र रोकड़ में परिवर्तन योग्य
(VIII) (फ) ख्याति

प्रश्न 4. सत्य / असत्य छांटिए-

(I) सत्य
(II) असत्य
(III) असत्य
(IV) सत्य
(V) असत्य
(VI) असत्य
(VII) असत्य
(VIII) सत्य
(IX) सत्य
(X) सत्य

प्रश्न 5. एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(i) नहीं
(ii) वित्तीय क्रियाओं से
(iii) संचालन किया
(iv) मानक - (AS-3)
(v) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य
(vi) संचालन, विनियोग तथा वित्तीय क्रियाएं
(vii) गैर रोकड़ मद से रोकड़ की प्राप्ति या भुगतान पर
(viii) वित्तीय क्रिया
(ix) परिचालन / संचालन क्रिया
(x) परिचालन / संचालन क्रिया

___**___**